सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्षः 9 ● अंकः 232 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, बुधवार, 13 दिसम्बर, 2023
मूल्य ₹ 3/-

विश्वास वो शक्ति है जिससे उजड़ी हुई दुनिया में भी प्रकाश किया जा सकता है।
-हेलेन केलर

रिंकू व सूर्य कुमार पर भारी पड़े... 7 | आप की रणनीति के बाद बदला... 3 | कुछ मांगने जाने से पहले मरना ज्यादा... 2

नई संसद भवन में सुरक्षा की बड़ी चूक, सदन के अंदर कूदे दो लोग

- शीतकालीन सत्र के दौरान हुई घटना
- लोकसभा कार्यवाही स्थगित की गई
- दबोचे गए दो शख्स, पुलिस कर रही है पूछताछ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। शीतकालीन सत्र के दौरान संसद भवन पर हुए आतंकी हमले की 22वीं बरसी की याद में शहीदों को श्रद्धांजलि देने के कार्यवाही के बीच एकबार फिर संसद की सुरक्षा की चूक सामने आ गई। शून्यकाल में सत्र चल रहा था तभी दर्शक दीर्घा से दो व्यक्ति कूद गये। उसके कूदते ही अंदर अफरा-तफरी मच गई। स्पीकर ने लोकसभा की कार्रवाई को 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया ।

इस घटना के बाद सारे सांसद व अन्य लोग बाहर की ओर भाग निकले। हालांकि सुरक्षा कर्मियों ने उन्हे दबोच कर पुलिस के हवाले कर दिया। उनलोगों से संसद भवन स्ट्रीट थाने में पूछताछ की जा रही है। इस घटना के बाद नई संसद की सुरक्षा को लेकर विपक्ष ने सरकार को घेर कर लिया।

संसद के बाहर भी हुआ था हंगामा

इससे पहले देश के सबसे सुरक्षित कहे जाने वाले संसद भवन के बाहर बुधवार सुबह कुछ लोगों ने हंगामा किया था। संसद की सुरक्षा में लगे दिल्ली पुलिस के जवानों ने दो प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया है। प्रदर्शनकारियों में एक महिला और एक पुरुष थे। पुलिस दोनों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

गैलरी में भरा धुआं

खबरों के अनुसार दो शख्स जब गैलरी से कूदे को सदन में धुआं भी उठा। धुएं विभिन्न रंग के दिख रहे थे। जब सदन में अफरा-तफरी मची और तभी सुरक्षाकर्मियों ने दोनों लोगों को पकड़ा। सांसदों ने बताया कि सबसे पहले खुद सांसदों ने दोनों लोगों को दबोचा इसके बाद उन्हें सुरक्षाकर्मियों के हवाले कर दिया गया।

शहीदों को राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

आतंकी हमले की बरसी के मौके पर पीएम मोदी ने संसद पर हुए हमले में शहीद हुए जवानों को याद किया और उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि भी दी। इस मौके पर पीएम मोदी ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर एक पोस्ट भी लिखा। इस पोस्ट में उन्होंने लिखा कि आज, हम 2001 में संसद हमले में शहीद हुए बहादुर सुरक्षाकर्मियों को याद कर रहे हैं और उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं। खतरे के सामने उनका साहस और बलिदान हमारे देश की स्मृति में हमेशा अंकित रहेगा। वहीं राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने कहा कि 2001 में संसद पर हुए आतंकवादी हमले में अपनी जान गंवाने वाले वीर सुरक्षा कर्मियों का राष्ट्र हमेशा ऋणी रहेगा। पाकिस्तान के आतंकवादी संगठनों लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद के आतंकवादियों ने 13 दिसंबर, 2001 को संसद परिसर पर हमला किया था, जिसमें नौ लोग शहीद हुए थे, सुरक्षा बलों ने पांचों आतंकवादियों को मार गिराया। इस अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, लोकसभा स्पीकर ओम बिरला और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा भी मौजूद रहे। इस दौरान पीएम मोदी ने संसद भवन पर हमले में मारे गए लोगों के परिजनों से मुलाकात की और उन्हें सांत्वना दी। इससे पहले थोड़ी देर पहले ही सांसद राहुल गांधी शीतकालीन सत्र के 10वें दिन कांग्रेस सांसद राहुल गांधी लोकसभा की कार्यवाही में शामिल होने पहुंचे थे।

मोहन यादव ने मध्यप्रदेश के सीएम के रूप में शपथ ली

- जगदीश देवड़ा और राजेंद्र शुक्ला बने डिप्टी सीएम
- पीएम मोदी, शाह, योगी समेत कई दिग्गज हुए शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मोहन यादव ने मध्यप्रदेश के सीएम के रूप में शपथ ले ली। उनके साथ दोनों उपमुख्यमंत्रियों जगदीश देवड़ा और राजेंद्र शुक्ला ने भी शपथ ली। डॉ मोहन यादव ने भोपाल के मोतीलाल नेहरू स्टेडियम में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा की उपस्थिति में राजेंद्र शुक्ल

और जगदीश देवड़ा को उप मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। शपथग्रहण से पहले मुख्यमंत्री मोहन यादव ने भोपाल के खटलापुरा मंदिर पहुंचे थे। इससे पहले मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव के शपथ ग्रहण समारोह से पहले उनके बेटे अभिषेक यादव ने कहा, यह बहुत अच्छा लग रहा है। मुझे गर्व महसूस हो रहा है। मैं अपनी खुशी शब्दों में व्यक्त करने में असमर्थ हूं।

पीएम नरेंद्र मोदी के नक्शेकदम पर चलेंगे हम : सीएम

शपथ ग्रहण समारोह से पहले मध्यप्रदेश के मनोनीत मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जिस तरह से देश का नेतृत्व कर रहे हैं, राज्य भी उनके नक्शेकदम पर चलेगा। जिस तरह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश का नेतृत्व कर रहे हैं, मध्य प्रदेश उनके नक्शेकदम पर चलेगा। मैं राजा विक्रमादित्य की भूमि से आता हूं और मैं राज्य की प्रगति और मध्य प्रदेश के करोड़ों नागरिकों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हूं।

राज्य में समृद्धि लाएंगे मोहन : शिवराज

मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शपथ ग्रहण समारोह से पहले मोहन यादव को सीएम बनने की बधाई दी। उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है कि नए मुख्यमंत्री (मध्यप्रदेश के मनोनीत मुख्यमंत्री मोहन यादव) राज्य में समृद्धि, विकास और जन कल्याण को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे।

महुआ को सुनवाई की नहीं मिली तारीख

- सुप्रीम कोर्ट ने कहा सीजेआई के पास जाएं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा से निष्कासन के मामले में महुआ मोइत्रा को फिलहाल सुनवाई की कोई तारीख नहीं मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने जल्द सुनवाई की मांग पर सीजेआई के पास जाने को कहा है। जस्टिस एसके कौल ने कहा, सीजेआई से अनुरोध करें। सीजेआई ही जल्द सुनवाई पर फैसला लेंगे। इस चरण में मैं फैसला नहीं लेना चाहता (शुक्रवार उनका आखिरी कार्यदिवस है)। सिंघवी ने महुआ मोइत्रा की याचिका को कल या परसों सूचीबद्ध करने का अनुरोध किया था।

बता दें कि महुआ के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने जल्द सुनवाई की मांग की थी। जस्टिस संजय किशन कौल ने कहा कि चीफ जस्टिस आपकी मांग पर विचार करेंगे। बेंच ने सीजेआई की बेंच में अपनी मांग रखने को कहा है, रिश्वत लेकर संसद में सवाल पूछने के मामले में महुआ मोइत्रा की लोकसभा सदस्यता खत्म कर दी गई थी। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला रिपोर्ट पर वोटिंग कराई, जो ध्वनिमत से पास हो गया। लोकसभा से निष्कासन के बाद महुआ ने कहा कि एथिक्स कमेटी ने मुझे झुकाने के लिए बनाई गई अपनी रिपोर्ट में हर नियम तोड़ दिया।

कुछ मांगने जाने से पहले मरना ज्यादा बेहतर : शिवराज सिंह

» बोले- मैं दिल्ली नहीं जाऊंगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश के दिग्गज नेता व पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान ने दिल्ली जाने को लेकर सवाल किया गया तब उन्होंने कहा एक बात मैं विनम्रता के साथ कहता हूं कि अपने लिए कुछ मांगने जाने से पहले मैं मरना बेहतर समझूंगा। इसलिए मैंने कहा था कि मैं दिल्ली नहीं जाऊंगा। इससे पहले शिवराज सिंह चौहान ने पीएम मोदी, केंद्रीय नेतृत्व का आभार जताते हुए कहा कि उन्होंने न केवल जनता के सेवा का मौका दिया बल्कि मार्गदर्शन और सहयोग भी किया। प्रदेश के नेतृत्व ने भी सदैव सहयोग किया।

प्रदेश की जनता का भी आभार है, जिन्होंने मुझे अपना माना। चौहान ने कहा मुझे पूरा विश्वास है कि मुख्यमंत्री मोहन यादव के नेतृत्व में भाजपा की सरकार जो तेजी से काम चल रहे हैं, उन्हें पूरा करेगी, लोक कल्याणकारी योजनाओं को लागू करेगी और प्रगति और विकास की दृष्टि से मध्य प्रदेश नई ऊंचाइयां छुएगा। मुझे पूरा विश्वास है कि मुख्यमंत्री मोहन यादव के नेतृत्व में भाजपा की सरकार जो तेजी से काम चल रहे हैं, उन्हें पूरा करेगी। लोक कल्याणकारी योजनाओं को लागू करेगी और प्रगति और विकास की दृष्टि से मध्य प्रदेश नई ऊंचाइयां छुएगा। मध्य प्रदेश के निवर्तमान मुख्यमंत्री और भाजपा पूर्व सीएम ने कहा मुझे पूरा विश्वास है कि मुख्यमंत्री मोहन यादव जी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की सरकार तेजी से चल रहे कामों को पूरा करेगी। मैं सदैव उनको सहयोग करता रहूंगा। आज जब मैं विदाई ले रहा हूं, तो मेरे मन में एक संतोष का भाव है।

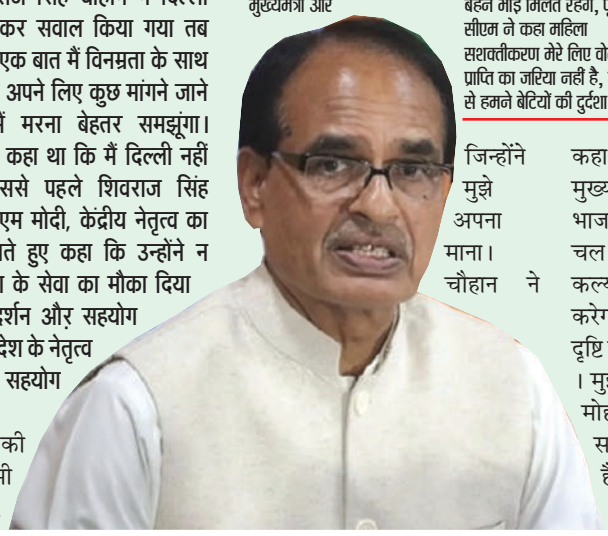

महिलाओं ने कहा- आपको नहीं जाने देंगे

शिवराज सिंह चौहान कार्यालय ने इस कॉन्फ्रेंस से पहले एक वीडियो शेयर किया था जिसमें मध्य प्रदेश के निवर्तमान मुख्यमंत्री और भाजपा नेता शिवराज सिंह चौहान महिलाओं से मिलकर भावुक हो गए थे। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पूर्व सीएम ने कहा बहन भाई मिलते रहेंगे, पूर्व सीएम ने कहा महिला सशक्तीकरण मेरे लिए वोट प्राप्ति का जरिया नहीं है, बचपन से हमने बेटियों की दुर्दशा देखी, मुख्यमंत्री रहते हुए भी जनता से मेरे रिश्ते परिवार के रिश्ते रहे हैं, मामा का रिश्ता प्यार का और भइया का रिश्ता विश्वास का रहा है, जब तक मेरी सांस चलेगी इसे टूटने नहीं दूंगा जो बेहतर बन पड़ेगा उसे करने का प्रयास करूंगा। लाड़ली बहनों के लिए काम करने पर प्रतिबद्ध हूं।

लाडली बहनों से मिलकर भावुक हुए शिवराज

मध्य प्रदेश में नए सीएम के ऐलान के एक दिन बाद यानी मंगलवार को पूर्व सएम सीएम शिवराज सिंह चौहान से उनकी लाड़ली बहनें मिलने पहुंचीं। इस दौरान बहनें शिवराज सिंह चौहान से गले लगकर फूट-फूट कर रोते दिखीं। इन बहनों को रोता देख पूर्व सीएम भी भावुक नजर आए। वहीं विधानसभा चुनाव में मिली प्रचंड जीत के बाद शिवराज सिंह ने खुद यह स्पष्ट कर दिया था कि वह सीएम पद की रेस में नहीं हैं और मेरा पद मामा का है।

संक्षिप्त खबरें

लोस चुनाव में पंजाब में आप से नहीं होगा गठबंधन : राजा वडिंग

चंडीगढ़। पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने कहा कि पार्टी आलाकमान ने राज्य की सभी 13 लोकसभा सीट पर चुनाव लड़ने की तैयारी करने को कहा है। उन्होंने कहा कि उन्हें किसी भी अन्य दल के साथ गठजोड़ कर 2024 का चुनाव लड़ने का पार्टी आलाकमान की ओर से कोई संकेत नहीं मिला है। वडिंग ने यह भी कहा कि दिवंगत गायक सिद्धू मूसेवाला के पिता बलकौर सिंह अगर अगले साल चुनाव लड़ने की रूचि दिखाते हैं तो पार्टी उनका स्वागत करेगी। पंजाब में आम आदमी पार्टी के साथ मिलकर चुनाव लड़ने के बारे में पूछे गए एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि अबतक पार्टी आलाकमान से संकेत है कि आप सभी 13 सीट से लड़ने की तैयारी कीजिए। उन्होंने कहा कि पार्टी नेतृत्व ने जातीय समीकरण और सभी जातियों के प्रतिनिधित्व पर गौर करते हुए उन लोगों के बारे में ब्योरा देने को कहा है जो चुनाव लड़ सकते हैं। वडिंग ने कहा कि मैं कहना चाहता हूं कि आलाकमान से यदि कोई संदेश आता है तो वह प्रदेश अध्यक्ष होने के नाते मेरे पास आएगा. ऐसा कोई संदेश कि आप मिलकर चुनाव लड़िए या कोई गठबंधन कीजिए, अबतक नहीं आया है। वडिंग ने कहा कि यदि आलाकमान ऐसा कोई संकेत देता है तो तब मैं आपके सामने उसे रखूंगा, आखिरकार आलाकमान जो कहेगा, वही होगा।

गांधी फैमिली को भगवान मानने से कांग्रेस खत्म : शर्मिष्ठा

कोलकाता। कांग्रेस वर्कर गांधी परिवार को भगवान मानना बंद करें। पार्टी में गांधी परिवार के अलावा और कोई लीडरशिप नहीं है, ऐसी सोच और चापलूसी बंद होगी, तभी कांग्रेस की हालत सुधर सकती है। कांग्रेस में बूथ लेवल से लेकर ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी में अभी लोकतंत्र नहीं है। जब तक इसमें सुधार नहीं होंगे, पार्टी में डिक्लाइन बंद नहीं हो सकता।' ये बातें पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी की बेटी शर्मिष्ठा मुखर्जी ने कही हैं। शर्मिष्ठा अपनी किताब 'प्रणब, माय फादरः ए डॉटर रिमेंबर्स' को लेकर चर्चा में है। शर्मिष्ठा ने कहा, 'बाबा राहुल गांधी के आलोचक नहीं थे, लेकिन वे उन्हें पॉलिटिक्स के लिए फिट नहीं मानते थे। उनका मानना था कि राहुल पॉलिटिक्स के लिए अभी मेच्योर नहीं हैं।'

2024 के बाद जदयू खत्म हो जाएगी : प्रशांत किशोर

» बोले- मोदी जी के साथ थे तब नहीं मांगा विशेष राज्य का दर्जा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। प्रशांत किशोर ने भविष्यवाणी भी की है। उन्होंने कहा कि 2024 के बाद जदयू खत्म हो जाएगी। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार की सियासत का यह आखिरी दौर है। उन्होंने कहा कि अब नीतीश कुमार को कौन पूछ रहा है। राज्य के मुख्यमंत्री हैं इसलिए मीडिया में कभी-कभी आ जाते हैं। पूर्व चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने दरभंगा में अपनी जन सुराज यात्रा के दौरान विशेष राज्य के दर्जे की मांग को लेकर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधा है।

प्रशांत किशोर ने कहा कि जब नीतीश कुमार प्रधानमंत्री मोदी के साथ थे, तब उन्होंने विशेष राज्य का दर्जा देने के बारे में एक शब्द भी नहीं बोला। उन्होंने कहा कि जेडीयू नेता संसद में मोदी को महामानव बता रहे थे। तब नीतीश ने यह मुद्दा नहीं उठाया। हालाँकि, जैसे ही नीतीश महागठबंधन में शामिल हुए, उनके सुर बदल गए और अब वे विशेष राज्य का दर्जा मांग रहे हैं।

भाजपा ने सिर्फ धोखा दिया : अब्दुल्ला

» सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर बोले- नेहरु की कोई गलती नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रमुख एवं सांसद फारूक अब्दुल्ला अनुच्छेद 370 को निरस्त को लेकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के सवाल में कहा कि जम्मू कश्मीर को नरक में जाने दो। भाजपा लोगों को धोखा दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा लोगों के दिल जीतने की बात करती रही है, लेकिन अगर लोगों को दूर धकेलने के लिए ऐसी चीजें करते रहेंगे कैसे किसी का दिल जीता जा सकता है।

फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि वे चाहते हैं जम्मू कश्मीर में जल्द से विधानसभा चुनाव हों। साथ ही उन्होंने कहा कि भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू अनुच्छेद 370 के लिए जिम्मेदार नहीं थे। इससे पहले संसद में गृह मंत्री अमित शाह ने कश्मीर समस्या के लिए पूर्व पीएम नेहरू को दोषी ठहराया था।

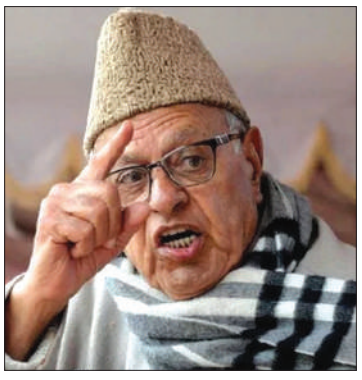

फारूक अब्दुल्ला ने कहा, कि मुझे नहीं पता कि उनके (भाजपा के) मन में नेहरू के खिलाफ जहर क्यों है। नेहरू जिम्मेदार नहीं हैं। जब अनुच्छेद 370 आया तो सरदार पटेल वहां थे।

जब कैबिनेट की बैठक हुई तब नेहरू अमेरिका में थे। जब निर्णय लिया गया तो श्यामा प्रसाद मुखर्जी भी मौजूद थे।

विकास हुआ या नहीं खुद जाकर देखें

यह पूछे जाने पर कि क्या इस फैसले से जम्मू-कश्मीर में विकास हुआ है। उन्होंने कहा कि वहां जाएं और खुद देखें। उन्होंने कहा, हम चाहते हैं कि चुनाव हों। हम उम्मीद कर रहे थे कि अगर सुप्रीम कोर्ट (अनुच्छेद) 370 को हटा देगा, तो वे भी तुरंत चुनाव कराने के लिए कहेंगे। उन्होंने सितंबर तक का समय दिया, इसका क्या मतलब है? न्याय कहां है? पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर पर भारत के दावे के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, कि यह फैसला सरकार को लेना है। हमने कभी किसी को नहीं रोका... हम कुछ नहीं हैं।

भय में जीने को मजबूर यूपी के लोग : अखिलेश

» बोले- सीएम के अपराध नियंत्रण के दावे सिर्फ जुमले

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एकबार फिर योगी सरकार के कानून व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि यूपी में अपराध थम नहीं रहे हैं। मुख्यमंत्री के अपराध नियंत्रण के दावे सिर्फ जुमले भर रह गए हैं। जनता भय के माहौल में जीने को विवश है। जीरो टॉलरेंस अब जीरो हो गया है। महिलाओं के अलावा बच्चे भी यौन उत्पीड़न के शिकार हो रहे हैं। यह शासन और प्रशासन के लिए शर्म की बात है।

अखिलेश ने जारी बयान में कहा कि लखनऊ में ही महिलाएं-बच्चियां सुरक्षित नहीं है। मुख्यमंत्री का एंटी रोमियो स्क्वाएड और गश्ती पुलिस दल वारदातों के समय कहीं दिखाई नहीं देता है। सोमवार को एक अधिकारी की बेटी के साथ लखनऊ से बाराबंकी के 20 किलोमीटर रास्ते में दुष्कर्म की घटना हुई, जबकि इस बीच छह थाना क्षेत्र भी पड़ते हैं। आरोपी खुलेआम नशा करते दिखे, उन्होंने युवती को भी जबरन नशीला पदार्थ पिलाया, पर कहीं कोई हलचल नहीं हुई। ऐसे ही बेसिक शिक्षा विभाग में कार्यरत महिला खंड शिक्षा अधिकारी ने बीएसए के स्टेनो पर परेशान करने की शिकायत की है। प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में हर चार दिन में एक बच्चा यौन शोषण का शिकार हो रहा है। अपराध की ये घटनाएं विचलित करने वाली हैं।

लखनऊ व वाराणसी तक में महिलाएं-बच्चियां सुरक्षित नहीं

ईवीएम से चुनाव के मुद्दे पर हो जनमत संग्रह

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि ईवीएम को लेकर जनता के मन में शंका होने से देश का लोकतंत्र कमजोर हो रहा है। बैलेट पेपर से चुनाव लोकतंत्र में विश्वास की पुनर्स्थापना के लिए जरूरी है। तकनीक के माध्यम से घपलों-घोटालों की खबर आम बात हो गई है तो फिर ईवीएम शक के घेरे से बाहर कैसे हो सकती है। अखिलेश ने एक्स के जरिये मंगलवार को कहा कि ईवीएम को लेकर एक जनमत कराने की आवश्यकता है। लोकतंत्र में जनता को सिर्फ सरकार चुनने का ही अधिकार नहीं होता, चुनने के तरीके और चुनने के माध्यम को भी चुनने का भी अधिकार होता है। इसी के आधार पर दुनिया के विकसित देशों ने ईवीएम के स्थान पर फिर से बैलेट पेपर यानी मतपत्र से चुनाव कराना शुरू कर दिया है। बैलेट पेपर निर्वाचन की सत्यता का पुख्ता सुबूत होता है।

दिल्ली की सियासत में आएगा बदलाव!

आप की रणनीति के बाद बदला सियासी माहौल

» केजरीवाल ने शुरू किया अभियान

» भाजपा व कांग्रेस ने भी कस ली कमर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पांच राज्यों के चुनाव के बाद अब सभी पार्टियों की नजर लोक सभा चुनावों पर टिक गई है। लगभग सभी राजनीतिक दल उसकी तैयारी में जुट गए हैं। उसी राह पर चलते हुए सबसे युवा सियासी दल आम आदमी पार्टी -आप ने भी अपने तीर-तरकश संवारने की कवायद शुरू कर दी है। जिस समय भाजपा 2024 की तैयारियों में लगी हुई है, कांग्रेस सहित समूचा विपक्ष लोकसभा चुनाव में मोदी को चुनौती देने की रणनीति बनाने में जुटा है, आम आदमी पार्टी दिल्ली में एक अभियान चलाकर लोगों से यह पूछ रही है कि यदि अरविंद केजरीवाल को शराब घोटाले में गिरफ्तार किया जाता है, तो उन्हें इस्तीफा देना चाहिए या नहीं।

वह यह भी पूछ रही है कि क्या अरविंद केजरीवाल को जेल से सरकार चलानी चाहिए। इसे केजरीवाल की उस रणनीति की तरह देखा जा रहा है, जिसमें वे अपनी संभावित गिरफ्तारी के बाद भी जेल से सरकार चलाते रहने की स्वीकार्यता चाहते हैं। आम आदमी पार्टी की इस पूरी कोशिश का परिणाम क्या निकलेगा? चूंकि आम आदमी पार्टी की पूरी राजनीति केजरीवाल के इर्द-गिर्द ही चलती है, प्रश्न यह भी है कि क्या केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद आम आदमी पार्टी की राजनीति खत्म हो जाएगी? आम आदमी पार्टी के इस अभियान से एक बात तो साफ हो जाती है कि खुद अरविंद केजरीवाल को भी इस बात का विश्वास हो गया है कि उन्हें देर-सबेर गिरफ्तार किया जा सकता है। अब तक वे प्रवर्तन निदेशालय को यह कहकर जांच में शामिल होने से बचते रहे थे कि उन्हें मध्यप्रदेश सहित अन्य चुनावी राज्यों में चुनाव प्रचार के लिए जाना है, लिहाजा उनके पास एजेंसी के सामने पेश होने का समय नहीं है। लेकिन इन प्रदेशों में चुनाव समाप्त होने के बाद अब उनके पास ऐसा कोई कारण नहीं बचा है। लिहाजा, अब यदि उन्हें पूछताछ के लिए बुलाया जाता है, तो उन्हें एजेंसी के सामने पेश होना पड़ेगा। मनीष सिसोदिया और संजय सिंह के ट्रेंड को देखते हुए माना जा रहा है कि दो-चार बार पूछताछ के लिए बुलाने के बाद उन्हें कभी भी हिरासत में लिया जा सकता है।

जनयोजनाओं पर जोर

आप ने पुरजोर तरीके से पंजाब में दिल्ली की सभी योजनाओं को लागू करना शुरू कर दिया है। अरविंद केजरीवाल भगवंत मान के साथ मिलकर मुफ्त राशन योजना, घर-घर राशन डिलीवरी, योजनाओं का ऑनलाइन लाभ दिलाकर भ्रष्टाचार समाप्त करने का काम लगातार किया जा रहा है। जिससे दिल्ली में पार्टी की संभावनाओं को कोई झटका लगने पर पंजाब के रूप में उसके पास लोगों को बताने के लिए एक सफल मॉडल रहे और उसे दिखाकर वह लोगों से वोट मांग सके। लेकिन पार्टी की यह रणनीति आम आदमी पार्टी को बचाने में कितनी सफल रहेगी?

कांग्रेस पलट सकती है बाजी

केजरीवाल ने जिस वोट बैंक को हथियाकर अपनी राजनीति खड़ी की थी, वह परंपरागत तौर पर कांग्रेस का वोट बैंक था। मुसलमान, दलित और पिछड़ा वर्ग कांग्रेस पर भ्रष्टाचार के आरोप लगने के बाद दिल्ली-पंजाब में केजरीवाल के साथ आ गया था। लेकिन अब अरविंदर सिंह लवली के नेतृत्व में कांग्रेस तेजी से दिल्ली में अपने उस वोट बैंक को वापस पाने की कोशिशों में जुटी हुई है। पिछले लोकसभा चुनाव में जिस तरह मुस्लिमों ने कांग्रेस को एकजुट होकर साथ दिया और कांग्रेस हर लोकसभा सीट पर दूसरे स्थान पर रही और आम आदमी पार्टी को तीसरे स्थान से

संतोष करना पड़ा। यह बात मानी जा सकती है कि यदि अरविंद केजरीवाल थोड़ा भी कमजोर हुए, तो यह पूरा गैर भाजपाई वोट बैंक खिसककर कांग्रेस के पास वापस जा सकता है। केजरीवाल की सबसे बड़ी चिंता यही है। क्योंकि वे भी जानते हैं कि एक बार इस वोट बैंक के कांग्रेस के पास वापस जाने के बाद उसे वापस लाना बेहद कठिन होगा। लेकिन बड़ी बात यह है कि इन राजनीतिक दलों के पास अपना जातीय या एक वर्ग विशेष का वोट था, जो बड़े नेताओं के भ्रष्टाचार में आरोप साबित होने के बाद भी पूरी मजबूती के साथ उनके साथ खड़ा रहा। यह भारतीय लोकतंत्र की बड़ी खामी है, लेकिन सच्चाई यही है कि भ्रष्टाचार साबित होने के बाद भी यहां लोग अपने नेता के साथ खड़े दिखे हैं। लेकिन आम आदमी पार्टी की सबसे बड़ी मुश्किल यह है कि अरविंद केजरीवाल के पास ऐसा कोई जातीय आधार नहीं है, जो उनके भ्रष्टाचार में शामिल सिद्ध होने के बाद भी उनके साथ खड़ा रहे। इससे आम आदमी पार्टी की मुश्किलें दूसरे दलों से अलग हैं।

बड़े नेताओं के जेल जाने से लगा झटका

राजनीतिक विश्लेषक ने कहा कि इस देश में लालू प्रसाद यादव, जयललिता और ओम प्रकाश चौटाला जैसे अनेक नेता रहे हैं जिन्हें भ्रष्टाचार के मामले में जेल जाना पड़ा है। लेकिन इसके बाद भी उनकी राजनीतिक पार्टियां न केवल बची हुई हैं, बल्कि पूरी मजबूती के साथ अपने-अपने क्षेत्रों में राजनीति कर रही हैं। इसलिए केवल भ्रष्टाचार के आरोपों के कारण किसी राजनीतिक दल के समाप्त होने की बात जमीनी नहीं लगती।

ब्रांड केजरीवाल को बचाने की कवायद

केजरीवाल की चिंता है कि यदि उन्हें गिरफ्तार किया जाता है, तो आम आदमी पार्टी कैसे चलेगी? ऐसी स्थिति में दिल्ली सरकार को कैसे संचालित किया जाए, जिससे आम आदमी पार्टी और स्वयं उनकी छवि खराब न हो। आगामी चुनावों में पार्टी की पूरी संभावना अरविंद केजरीवाल की विश्वसनीयता पर टिकी हुई है। ऐसे में पार्टी ने ब्रांड केजरीवाल को बचाने की रणनीति अपनानी शुरू कर दी है। मैं हूं केजरीवाल अभियान इसी रणनीति के एक अंग के रूप में देखा जा रहा है।

भाजपा ने भी घेरने की तैयारी की

दिल्ली भाजपा ने कहा कि केजरीवाल की पूरी राजनीति ईमानदारी और अलग राजनीतिक के दावे पर टिकी हुई थी। लेकिन शराब घोटाले में आरोपी पाए जाने के बाद आम आदमी पार्टी की ईमानदार वाली छवि खत्म हो गई है। जनता ने देख लिया है कि किस तरह गली-गली में शराब की दुकानें खोलकर बच्चों तक के पास शराब पहुंचाने का काम किया गया। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल अपने कार्यकर्ताओं को संजय सिंह और मनीष सिसोदिया से सीख लेने की बात कह रहे हैं, जो स्वयं भ्रष्टाचार के आरोपों में जेल में बंद हैं। इससे साबित होता है कि अरविंद केजरीवाल अपने कार्यकर्ताओं को भ्रष्टाचार करने की ट्रेनिंग दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल के अलावा आम आदमी पार्टी में कोई दूसरा नेता नहीं है। जनता ने भी उनकी असलियत देख ली है। उनके जेल जाने के बाद पार्टी को बड़े चेहरे की कमी खलेगी और उसे चुनावी अभियान को आगे बढ़ाने में मुश्किल आएगी। उन्होंने कहा कि यह चुनाव अरविंद केजरीवाल की सियासत का अंतिम चुनाव होगा क्योंकि जनता इसके बाद अब उन्हें चुनाव लड़ने के काबिल नहीं छोड़ेगी।

आतिशी की सक्रियता से असहज है विपक्ष

मनीष सिसोदिया व सत्येंद्र जैन जैसे मंत्रियों के जेल जाने के बाद से दिल्ली की आप सरकार में कई पुराने नेताओं ही विभाग बांट दि गए। उसमें सबसे ज्यादा कद आतिशी का बढ़ा। उनकी सक्रियता वैसे भी भाजपा व कांग्रेस को परेशान करती है। उन्हें नगर विकास, शिक्षा के साथ-साथ कानून मंत्री बनाया गया था। इससे पहले कानून मंत्रालय दिल्ली सरकार की सिफारिश पर कैलाश गहलोत से लेकर आतिशी को सौंप दिया गया था। वहीं, आतिशी से महिला एवं बाल विकास विभाग लेकर कैलाश गहलोत को दिया गया है। उधर यह भी चर्चा है कि केजरीवाल

» केजरीवाल जनता से हो रहे रूबरू

दिल्ली में नई लीडरशीप तैयार कर सकते हैं। आतिशी आप में एक तेजतर्रार नेता के रुप में उभर रही हैं। ऐसे में दिल्ली में वह अच्छा काम करके वहां पर जनता के बीच में पैठ बना सकती हैं। इससे पहले अक्तूबर में उन्हें जल विभाग का प्रभार सौंपा गया था। जून में आतिशी को राजस्व, योजना और वित्त विभागों का प्रभार दिया गया था। ये विभाग पहले कैलाश गहलोत के पास ही थे। नए बदलाव के बाद कैलाश गहलोत के पास परिवहन, गृह, प्रशासनिक सुधार विभाग, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग ही बचा है। उधर सीएम केजरीवाल दिल्ली के अंदर कायाकल्प करने में जुटे हैं। इसी के तहत सिविल लाइन के एक सरकारी स्कूल में ऑडिटोरियम के उद्घाटन के मौके पर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के साथ शिक्षा मंत्री आतिशी और तमाम आप नेता मौजूद रहे। सीएम ने कहा कि हम बिना किसी भेदभाव के सभी बच्चों के लिए वर्ल्ड-क्लास सुविधाएं उपलब्ध करा रहे हैं। अब कोई सरकार या पार्टी ये नहीं कह सकती कि स्कूल ठीक नहीं हो सकते, हमने सरकारी स्कूलों को शानदार बनाकर दिखाया है। दिल्ली के हर बच्चे को, चाहे गरीब का हो या अमीर का, सबको एक जैसी अच्छी शिक्षा मिले, यही हमारी कोशिश है। शिक्षा मंत्री आतिशी ने कहा कि पहले सरकारी स्कूलों के बच्चों में आत्मविश्वास की कमी देखने को मिलती थी। लेकिन आज सरकारी स्कूल के बच्चों ने जिस तरह से सांस्कृतिक प्रस्तुति दी है, उससे कहा जा सकता है कि आने वाले सालों में इन बच्चों का नाम हम हेडलाइन्स में देखेंगे। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का धन्यवाद, जिन्होंने शिक्षा को पहली प्राथमिकता बनाया।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

एड्स संक्रमण की कमी एक सकारात्मक खबर

'राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन' ने समूचे हिंदुस्तान को 'एड्स मुक्त' बनाने की रणनीति बना ली है। सन् 2023 तक समाप्ति का लक्ष्य रखा है। वैसे, एकाध दशकों के मुकाबले बीते तीन-चार वर्षों में एड्स संक्रमण की संख्या में काफी कमी आई है। दरअसल, जनमानस इस बीमारी के प्रति गंभीर और जागरूक हो चुके हैं। लोग समय-समय पर अपना चैकअप करवाने लगे हैं।

धीरे-धीरे भारत में एड्स कम हो रहा है। यह अच्छी खबर है। विश्व स्तर पर डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट पर गौर करें, तो एड्स संक्रमण की इस वक्त दर प्रति 17 हजार व्यक्तियों पर है। जबकि, हिंदुस्तान में ये दर 5 प्रतिशत के ही आसपास बताई गई है। 'राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन' ने समूचे हिंदुस्तान को 'एड्स मुक्त' बनाने की रणनीति बना ली है। सन् 2023 तक समाप्ति का लक्ष्य रखा है। वैसे, एकाध दशकों के मुकाबले बीते तीन-चार वर्षों में एड्स संक्रमण की संख्या में काफी कमी आई है। दरअसल, जनमानस इस बीमारी के प्रति गंभीर और जागरूक हो चुके हैं। लोग समय-समय पर अपना चैकअप करवाने लगे हैं। केंद्र व राज्य सरकारों ने भी सभी अस्पतालों में निशुल्क प्रसव या अन्य चिकित्सीय जांच से पूर्व एचआईवी को अनिवार्य किया हुआ। हुकूमत के इस कदम ने बेहतरीन काम किया है। देसवासियों में एड्स को लेकर जबरदस्त जागरूकता आ चुकी है। यही इस बीमारी का मुख्य बचाव है। सिलसिला अगर यूं ही चलता रहा, तो केंद्र सरकार को एड्स की लक्ष्य प्राप्ति में ज्यादा कठिनाईयां नहीं सहनी पड़ेंगी।

इस बीमारी का सबसे पहले पता 1983 में लगा था, उसके कुछ वर्षों बाद तो ये वायरस सामान्य खांसी-बुखार की तरह तेजी से फैला। पहला केस एक कैनेडियन नागरिक में मिला था जो फ्लाइट अटेंडेंट थे, उनका नाम गैटन दुगास था। उस पर आरोप था कि उसने जानबूझकर कई अमेरिकी महिलाओं से संबंध बनाए और उन्हें संक्रमित कर दिया। ऐसी घटनाएं और भी जगहों पर घटीं। कई वर्ष पहले केरल में भी एक विदेशी व्यक्ति को पुलिस ने रेड लाइट इलाके से पक?ा था। जो एचआईवी पॉजिटिव था। विश्व एड्स दिवस के मौके पर कुछ बातों पर मंथन करना जरूरी हो जाता है। वैसे, विश्व स्तर पर डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट पर गौर करें, तो एड्स संक्रमण की इस वक्त दर प्रति 17 हजार व्यक्तियों पर है। जबकि, हिंदुस्तान में ये दर 5 प्रतिशत के ही आसपास बताई गई है। भारत में एड्स-वायरस से सर्वाधिक संक्रमित व्यक्ति महाराष्ट्र में रहे हैं। वहीं, तमिलनाडु दूसरे पायदान पर रहा। वैसे, हमारे यहां सन् 1985 से 1995 के बीच एड्स-विषाणु का संक्रमण बहुत तेज था। पर, उसके बाद हुकूमतों ने रोकथाम पर अच्छा कर बढ़ती दर को थाम लिया। बहरहाल, एड्स बीमारी भी मात्र एक वायरस जैसी ही है, जो एकदम गंभीर नहीं होती? धीरे-धीरे अपना असर दिखाती है। अगर, शुरूआती दिनों में इलाज मिल जाए और पीड़ित जरूरी सावधानियां बरत लें, तो स्थिति एकाएक गंभीर नहीं बनती, काबू पा लिया जाता है। f

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

चुनावी हार के लिए उत्तर-दक्षिण सोच का बहाना

राजेश रामचंद्रन

यूं तो इन दिनों टेलीविजन पर आने वाली खबरें झेलना कष्टदायी है, लेकिन कोई-कोई वक्त ऐसा होता जब पेशेवराना मजबूरियों के चलते देखनी पड़ती हैं, विशेषकर चुनाव परिणामों के दिन, जैसा कि हाल ही में हुआ था। न्यूज एंकर, यहां तक कि उम्रदराज अनुभवी भी, किन्हीं विशेष किस्म के नतीजों पर फौरी विश्लेषण करने की बुरी आदत से उबर नहीं पाए, खासतौर पर जब यह उनकी पसंद के अनुरूप न हों। राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ विधान सभाई चुनावों में कांग्रेस को मिली हार के पीछे कारणों को, तथ्यों की खोजबीन में अपनी ही सुविधा के अनुसार और सुस्ती की वजह से, उत्तर-दक्षिण भारतीय वोटरों की मानसिकता का प्रतिबिम्ब बताने लगे।

इसको कांग्रेस के सुस्त नेताओं ने लपक लिया, जिन्हें अपने सुप्रीमो राहुल गांधी को हार के पीछे वजह बताने को यह बना-बनाया और आसान बहाना मिल गया यानि नेक, उदार और समावेशी राजनीतिक विकल्प के प्रति उत्तर भारतीयों में जन्मजात पूर्वाग्रही मानसिकता दोषी है। यह कहकर भूगोल बोध की भी ऐसी-तैसी कर डाली। मध्य प्रदेश, जैसा कि नाम ही बताता है, और छत्तीसगढ़ भी, उत्तर भारत का हिस्सा न होकर मध्य भारत हैं। छत्तीसगढ़ तो समूचा हिंदी भाषी भी नहीं है। फिर क्या हुआ? चाहिए केवल इतना भर कि कोई तो बहाना हो ताकि नेतृत्व में रही कमी का सख्त विश्लेषण होने से बचा जा सके। डीएमके, जिसका एकमात्र तरीका पहचान आधारित राजनीति करना है और इसके लिए ब्राह्मण-बैरी, हिंदी-विरोधी और उत्तर भारतीयों से दुराग्रह का चोला ओढ़ रखा, उसने उक्त विश्लेषण का स्तर कुछ और नीचे गिराते हुए कह डाला कि भाजपा तो केवल 'गोमूत्र राज्यों' में जीत सकती है। केरल के मार्क्सवादियों में भी भाजपा और आरएसएस को 'गाय गोबर संघी' कहने का चलन है। परंतु संसद में खड़े होकर अधिकांश भारत पर गोमूत्र का ठप्पा लगाने से घटियापन का स्तर और नीचे गया है। खासतौर पर जब दक्षिण भारत में आज भी आयुर्वेद और सिद्ध चिकित्सा पद्धति में गोमूत्र का उपयोग जारी है।

इसलिए, सवाल है, क्या वाकई भारतीय मतदाताओं की पसंद-नापसंद तय करने में उत्तर-दक्षिण के मुताबिक भेदभाव विद्यमान है? इसके जबाव की शुरुआत सुनी-सुनाई पर आधारित न होकर चुनावी परिणामों के ठोस

विश्लेषण से करनी पड़ेगी। राजनीतिक जीत का सबूत सदा से संसदीय चुनाव में प्राप्त की गयी सीटों से रहा है। साल 2019 के लोकसभा चुनाव के नतीजे तो यही बताते हैं कि भाजपा दक्षिण भारत में सबसे बड़ी पार्टी है। किसी भी अन्य राष्ट्रीय या क्षेत्रीय दल से बड़ी। डीएमके, जिसने दक्षिण भारतीयों का प्रवक्ता होने की भूमिका अपना रखी है, उसके लोकसभा में 24 सांसद हैं। साल 2019 के आम चुनाव में डीएमके ने भले ही एकतरफा झाड़ू फेरा हो, लेकिन अन्य किसी दक्षिण भारतीय सूबे में एक भी सीट नहीं है, यहां तक कि पड़ोस के तमिलभाषी पुडुचेरी में भी। वास्तव में, डीएमके सूबे में बहुलता वाली जाति का दल है और इसने जो द्रविड़वादी मुखौटा पहन रखा है वह एक सदी पहले ब्रिटिश हितैषी जस्टिस पार्टी ने थमाया था। इस पार्टी में द्रविड़वाद या समूचे दक्षिण भारत का प्रतिनिधित्व करने जैसा कुछ नहीं है। दक्षिण भारत में दूसरा सबसे बड़ा राजनीतिक दल है वाईएसआर कांग्रेस। आंध्र प्रदेश की कुल 25 लोकसभा सीटों पर इसके 22 सांसद चुने गए। क्षेत्रीय दलों में तीसरे पायदान पर है, तेलंगाना राष्ट्र समिति (बाद में भारत राष्ट्र समिति)। उसके तेलंगाना की कुल 17 लोकसभा सीटों में 9 सांसद हैं। चार दक्षिण भारतीय राज्यों में कांग्रेस के कुल मिलाकर 28 सांसद हैं और एक सीट संघ प्रशासित प्रदेश में जीती है। इनमें भी, अकेले केरल से 15 सांसद हैं, जिसके पीछे मुख्यत: सत्तारूढ़ मार्क्सवादी पार्टी के प्रति लोगों का रोष है। तमिलनाडु में डीएमके के साथ गठबंधन ने कांग्रेस को 8 सीटें दिलाई हैं वर्ना अपने बूते पर शायद एक भी न निकाल पाती (प्रदेश में इसके सबसे कद्दावर नेता की चुनाव में जमानत जब्त हुई थी)। तेलंगाना में कांग्रेस के 3 सांसद हैं तो कर्नाटक और पुडुचेरी में एक-एक।

वहीं 2019 में कर्नाटक में भाजपा ने 25 लोकसभा सीटें जीती थीं, 4 सांसद तेलंगाना से हैं, कुल मिलाकर 29 अर्थात कांग्रेस से 1 अधिक। कांग्रेस, डीएमके और भाजपा की कारगुजारी में सबसे बड़ा अंतर यह है कि जहां कांग्रेस केवल गठबंधन के कारण कुछ सीटें निकाल पाई वहीं कर्नाटक और तेलंगाना में भाजपा और डीएमके ने चुनाव अपने दम पर लड़ा। कांग्रेस को समूचे भारत में मिली कुल 51 संसदीय सीटों में 28 दक्षिण भारत से हैं, तब तो इसको 'उत्तर भारतीय के नेतृत्व वाला दक्षिण भारतीय दल' कहा जाए (मल्लिकार्जुन खड़गे तो महज गांधी परिवार द्वारा नामित हैं, जिनके पास स्वतंत्र निर्णय लेने की शक्ति नहीं है)।

बहुत कुछ करना बाकी है लक्ष्य प्राप्ति को

बेशक पिछले दशक में हमारे देश ने आर्थिक सफलता के नाम पर दसवें पायदान से पांचवें पायदान तक आने की उपलब्धि प्राप्त कर ली है, लेकिन अब जापान और जर्मनी को पछाड़कर तीसरी महाबली आर्थिक शक्ति बनने का कार्यक्रम है। कुछ बातें इस कार्यक्रम को पुष्ट करती हैं। पहली बात यह कि एक देश, एक कर में जीएसटी लागू करने का जो निर्णय किया गया था, वह सफलता दिखा रहा है। अर्थात सोचा गया था कि एक लाख करोड़ रुपये तक का कर संग्रह अगर जीएसटी कर दे तो हम संतुष्ट हैं। लेकिन पिछले कुछ वर्षों से यह कर संग्रह इस लक्ष्य से ज्यादा है।

सुरेश सेठ

कुछ घटनाक्रमों से देश का माहौल बदलता नजर आने लगता है। लेकिन ऐसे समाचारों में छिपी हैं कुछ चेतावनियां। जो अगले वर्ष महाचुनाव के मद्देनजर आम आदमी को सजग करती हैं। सवाल यह कि आजादी के साढ़े सात दशक के बाद भी हम विकसित देश क्यों नहीं हैं? अमृत महोत्सव भी इस विकासशील देश ने अपनी विकासशीलता के तले मना लिया। लेकिन अब जैसे राष्ट्र के कर्णधार भी कहते हैं कि देश में मूल प्रवृत्ति बने जो यह कहे कि हम न अल्पविकसित हैं, न विकासशील हैं बल्कि विकसित देश हैं। सुखद यह है कि अभी रिजर्व बैंक का जो नया आकलन अर्थव्यवस्था के लिए आया है, वह यह बताता है कि इस वर्ष की आखिरी तिमाही में हम सात प्रतिशत की विकास दर प्राप्त कर चुके हैं।

बेशक पिछले दशक में हमारे देश ने आर्थिक सफलता के नाम पर दसवें पायदान से पांचवें पायदान तक आने की उपलब्धि प्राप्त कर ली है, लेकिन अब जापान और जर्मनी को पछाड़कर तीसरी महाबली आर्थिक शक्ति बनने का कार्यक्रम है। कुछ बातें इस कार्यक्रम को पुष्ट करती हैं। पहली बात यह कि एक देश, एक कर में जीएसटी लागू करने का जो निर्णय किया गया था, वह सफलता दिखा रहा है। अर्थात सोचा गया था कि एक लाख करोड़ रुपये तक का कर संग्रह अगर जीएसटी कर दे तो हम संतुष्ट हैं। लेकिन पिछले कुछ वर्षों से यह कर संग्रह इस लक्ष्य से ज्यादा है। इस वर्ष यह 1.68 लाख करोड़ से अधिक हो चुका है जबकि अगले वर्ष 2 लाख करोड़ का लक्ष्य है। जब कर बढ़ता है तो राजस्व घाटा घटता है। जन कल्याण के लिए अधिक पैसे बचने लगते हैं और उनका इस्तेमाल उस समस्या से देश को बचा सकता है जिसे आजकल रेवड़ियां बांटने की संस्कृति का नाम दिया जाता है। इस समय तो आलम यह है कि अपने चुनावी एजेंडे को आकर्षक बनाने के लिए राज्य कर्ज लेकर भी रेवड़ियां बांटने में गुरेज नहीं करते।

इसमें संदेह नहीं कि अभी आए पांच विधानसभा चुनावों के परिणामों में तीन परिणाम बड़े स्पष्ट तरीके से सत्तारूढ़ भाजपा के हक में गए हैं। नि:संदेह आम आदमी ने देश में राजनीति के स्थायित्व को महत्व दिया है। उस प्रधानमंत्री को महत्व दिया गया है जिसने एक प्रौढ़ कूटनीति का पालन करते हुए देश का ध्वज विश्व में ऊंचा कर दिया है। अब कोशिश हो देश में सांस्कृतिक मूल्यों का पुन: अवतरण हो, नैतिक मूल्यों के पतन के रास्ते में अवरोध खड़े किए जाएं और भ्रष्टाचार का खात्मा किया जाए।

इसके अतिरिक्त बेशक औरतों को 33 प्रतिशत आरक्षण मिल गया हो। लाडली बहन जैसी योजनाएं भी सामने आ गईं और महिलाओं को उनकी गरिमा के अनुसार समानाधिकार देने की पहल भी शासन ने की है। यह भी एक बड़ा कारण है कि महिला मतदाताओं ने मध्यप्रदेश में सत्तारूढ़ दल को वोट दिया। अब देखना यह होगा कि क्या वास्तव में आने वाले दिनों में महिलाओं को वही समानाधिकार, वही सशक्तीकरण की सौगात दी जाती है, जिसके बारे में हर मंच से भाषण किए जाते हैं। आज भी राजनीति में दायित्वपूर्ण स्थानों पर महिलाओं की कमी नजर आती है। संसद से लेकर विधानसभाओं तक में उनकी संख्या पुरुषों के मुकाबले कहीं कम है। सही है कि एक शुरुआत हो गई है। अब सेनाओं के अग्रिम मोर्चों पर स्थायी कमीशन पद लेकर महिलाओं को लड़ने की इजाजत मिल गई और इसके अलावा कार्पोरेट जगत भी बता रहा है कि मुख्य संस्थानों में सर्वोच्च अधिकारी के रूप में महिलाएं नियुक्त की जा रही हैं। कोशिश हो कि कोरोना संकट में रोजगार से विस्थापित महिला कामगारों को पहले जैसा काम मिले। सत्ताधीश ध्यान दें कि देश में सांस्कृतिक मूल्यों का क्षरण हो रहा है। हताशा ने नशाखोरों और पियक्कड़ों की एक ऐसी पीढ़ी पैदा कर दी है जिसके सामने रिश्तों का कोई मूल्य नहीं। रोज-ब-रोज ऐसी खबरें मिलती हैं कि बेटों ने बाप की या भाई ने बहन की हत्या कर दी। फिरौती की धमकियां माहौल में दनदना रही हैं। राह चलते लोगों से उनके पर्स और मोबाइल छीने जा रहे हैं। ऐसे अपराध करने पर भी अपराधी शर्मसार नहीं होते और जब उन्हें कारागार में भेजा जाता है तो वे वहां भी इन्हें अपराधगृह बनाने में देर नहीं करते।

नया वक्त आ रहा है, नई चुनौतियां सामने हैं। एक चुनौती तो अभी तक पर्यावरण प्रदूषण की है। जिसकी वजह से असाधारण जलवायु ने देश की खेती, जो पहले ही जुआ थी, को उससे भी बड़ा जुआ बना दिया है। देश की अर्थव्यवस्था हमने डिजिटल कर दी लेकिन इसे चलाने के लिए कारीगरों को उचित प्रशिक्षण नहीं दिया गया। शिक्षकों को बदलाव की लड़ाई के लिए पूरी तरह तैयार नहीं किया। यह होना चाहिए अगर भारत को विश्व गुरु होना है। अगर भारत को अपनी ही नहीं बल्कि विश्व की संस्कृति का अगुवा बनते हुए वसुधैव कुटुम्बकम के आदर्श को फलीभूत करना है।

सर्दी की शुरुआत हो गई है। ऐसे में सब्जी मंडियों में भी सर्दी के मौसम में मिलने वाली सब्जियां आ गई हैं। सर्दी का मौसम फूडी लोगों को काफी पसंद आता है, क्योंकि इस मौसम में खाने की कई सारी वैरायटी बढ़ जाती हैं। ठंड के मौसम में खाने का स्वाद भी कई गुना बढ़ जाता है। अगर बात करें सर्दियों के सबसे खास खाने की तो इसमें सरसों का साग और मक्के की रोटी का नाम सबसे ऊपर आता है। अगर सर्दी के मौसम में आप किसी ढाबे पर जाएंगे तो आपको सरसों का साग और मक्के की रोटी आसानी से मिल जाएगी। ये सेहत के लिए भी काफी लाभदायक है।

रोटी बनाने के लिए सामान

मक्के का आटा - 2 कप, गर्म पानी - आवश्यकता अनुसार, नमक - 1/2 छोटी चम्मच।

सरसों के साग और मक्के की रोटी से करें सर्दियों का स्वागत

साग का सामान

सरसों के पत्ते - 500 ग्राम, पालक - 250 ग्राम, प्याज - 2 कद्दूकस किए हुए, टमाटर - 2 छोटे कद्दूकस किया हुआ, हरी मिर्च - 2-3 , अदरक - कद्दूकस किया हुआ, लहसुन - 3-4 कलियां, हल्दी पाउडर - 1 छोटी चम्मच, लाल मिर्च पाउडर - 1 छोटी चम्मच, धनिया पाउडर - 1 छोटी चम्मच, घी - 2-3 टेबल स्पून, नमक स्वादानुसार।

रोटी बनाने की विधि

मक्के की रोटी बनाने के लिए सबसे पहले मक्के के आटे में नमक मिलाएं। इसके बाद धीरे-धीरे गर्म पानी डालते हुए आटा गूंथना शुरू करें। आटे को तैयार करने के बाद अब इससे छोटी-छोटी गोल लोई तैयार करें और फिर इससे बेलकर रोटियां तैयार कर लें। जब रोटियां बिल जाएं तो तवा गरम करें और रोटियां सेकना शुरू करें। रोटी सिक जाने के बाद इसे गर्मागर्म साग के साथ परोसें। इसके ऊपर से मक्खन डालना कतई ना भूलें।

साग बनाने की विधि

इसको बनाने के लिए सबसे पहले सरसों के पत्ते और पालक को धोकर बारीक काट लें। इसके बाद एक प्रेशर कुकर में पानी, सरसों के पत्ते, पालक, हरी मिर्च और नमक डालें। अब इसे 2 सीटी आने तक पकाएं। पक जाने के बाद इसे मिक्सी में डालकर पीस लें। जब ये पिस जाए तो एक पैन में घी गरम करें और उसमें प्याज, अदरक, लहसुन और टमाटर डालें। इसके बाद सभी मसालों को मिलाएं और अच्छे से पकाएं। सबसे आखिर में इसमें पीसा हुआ साग मिलाएं। अब स्वाद के अनुसार नमक डालें और लगातार चलाते रहें।

झटपट तैयार करें रोटी समोसा

हर भारतीय घर में लंच और डिनर में रोटी खाना ही पसंद किया जाता है। ये खाने में जितनी सिंपल होती है, उतनी ही पौष्टिक होती है। गर्मागर्म रोटियां खाना हर किसी को पसंद होता है पर, कई बार ऐसा होता है कि जब आप रोटी बना कर रखती हैं तो वो बच जाती हैं। ऐसे में इसे फेंकने का मन भी नहीं करता। इसी के चलते आपकी इस परेशानी का हल आज हम आपको बताने जा रहे हैं। दरअसल, आज हम आपको बची हुई रोटियों से टेस्टी समोसे बनाना सिखाएंगे। समोसे खाना लगभग हर किसी को पसंद होता है। कई बार ऐसा देखा जाता है कि, मैदे के समोसे लोग नहीं खाते क्योंकि मैदा शरीर को नुकसान पहुंचाती है। ऐसे में आप बची हुई रोटी से जब समोसे बनाएंगे तो ये खाने में भी काफी टेस्टी लगेंगे और इसे खाने से ज्यादा नुकसान भी नहीं होगा। बची हुई रोटियों से घर पर समोसे आसानी से बनाए जा सकते हैं।

सामग्री

रोटी- 4, आलू उबले- 2-3, बेसन-3 टी स्पून, हरी मिर्च कटी- 2, लाल मिर्च पाउडर- 1/2 टी स्पून, गरम मसाला-1/2 टी स्पून, कलौंजी - 1/2 टी स्पून, हरी धनिया पत्ती- 2-3 टेबलस्पून, तेल- तलने के लिए, नमक -स्वादानुसार।

विधि

रोटी के समोसा बनाने के लिए सबसे पहले आप आलू उबाल कर इन्हें ठंडा कर लें। अब इसका छिलका उतार करके अच्छी तरह से मैश कर लें। इसके बाद एक कड़ाही में तेल डाल कर उसमें कलौंजी और हरी मिर्च डालकर कुछ सेकेंड कर भूनें। इसके बाद मसला हुआ आलू कड़ाही में डालें और उसे चम्मच की मदद से चलाते हुए फ्राई करें। इसे कुछ मिनट तक अच्छे से भूनें। इसके बाद अब इसमें सभी मसाले और नमक डाल कर अच्छे से मिला लें। जब ये तैयार हो जाए तो इसके ऊपर धनिए की पत्तियां डालें। अब इसे अलग रख कर ठंडा कर लें। समोसे को चिपकाने के लिए बेसन का गाढ़ा घोल तैयार करें। इसके बाद रोटी को बीच से काट लें। अब एक टुकड़ा लेकर इसका कोन बनाएं और इसमें आलू की फिलिंग भरें। लास्ट में इसे समोसे का आकार देकर बेसन के घोल की मदद से चिपका दें। अब एक कड़ाही तेल गर्म करके उसमें रोटी समोसा को डालकर डीप फ्राई करें। इसे चटनी के साथ गर्मागर्म ही परोसें।

हंसना मना है

गर्लफ्रेंड- मेरी मम्मी को तुम बहुत पसंद आये हो, पप्पू- चल पगली-कुछ भी हो, मैं शादी तुमसे ही करूंगा.. आंटी से कहना वो मुझे भूल जाएं।

ठोकर खाकर गुणगुणाना ही जिन्दगी है, गम पी कर मुस्कुराना ही जिन्दगी है, एक लड़की अगर धोखा दे दे तो सब कुछ भूल कर दूसरी को पटाना ही जिन्दगी है।

नजरे आज भी उस हरामखोर को ढूंढ रही हैं, जिसने कहा था बुक के बीच में मोर पंख रखने से विद्या आती है।

भगवान को गुस्सा कब आता है? जब .. जब कोई लड़की शादी से पहले प्रेगनेंट हो जाये.. और उसकी मां कहे, हे भगवान ये तूने क्या किया।

हंसी के लिए गम कुर्बान है, खुशी के लिए आंसू भी कुर्बान और दोस्त के लिए जान भी कुर्बान, और अगर दोस्त की गर्लफ्रेंड मिल जाये तो साला दोस्त भी कर दूं कुर्बान।

कहानी - चोर की दाढ़ी में तिनका

एक बार की बात है, बादशाह अकबर की सबसे प्यारी अंगूठी अचानक गुम हो गई थी। बहुत ढूंढने पर भी वह नहीं मिली। इस कारण बादशाह अकबर चिंतित हो जाते हैं और इस बात का जिक्र बीरबल से करते हैं। इस पर बीरबल, महाराजा अकबर से पूछते हैं कि महाराज, आपने अंगूठी कब उतारी थी और उसे कहां रखा था।' बादशाह अकबर कहते हैं कि मैंने नहाने से पहले अपनी अंगूठी को अलमारी में रखा था और जब वापस आया, तो अंगूठी अलमारी में नहीं थी।' फिर बीरबल, अकबर से कहते हैं कि तब तो अंगूठी गुम नहीं चोरी हुई है और यह सब महल में साफ-सफाई करने वाले किसी कर्मचारी ने ही किया होगा।' यह सुनकर बादशाह ने सभी सेवकों को हाजिर होने को कहा। उनके कमरे में साफ-सफाई करने के लिए कुछ 5 कर्मचारी तैनात थे और पांचों हाजिर हो गए। सेवकों के हाजिर होने के बाद बीरबल ने उन सभी को कहा कि महाराज की अंगूठी चोरी हो गई है, जो अलमारी में रखी थी। अगर आप में से किसी ने उठाई है, तो बता दे, वरना मुझे अलमारी से ही पूछना पड़ेगा।' फिर बीरबल अलमारी के पास जाकर कुछ फुसफुसाने लगे। इसके बाद मुस्कुराते हुए पांचों सेवकों से कहा कि चोर मुझसे बच नहीं सकता है, क्योंकि चोर की दाढ़ी में तिनका है।' यह बात सुनकर उन पांचों में से एक ने सबसे नजर बचाकर दाढ़ी में हाथ फेरा जैसे कि वह तिनका निकालने की कोशिश कर रहा हो। इसी बीच बीरबल की नजर उस पर पड़ गई और सिपाहियों को तुरंत चोर को गिरफ्तार करने का आदेश दिया। जब बादशाह अकबर ने उससे सख्ती से पूछा, तो उसने अपना गुनाह काबुल कर लिया और बादशाह की अंगूठी वापस कर दी। बादशाह अकबर अपनी अंगूठी पाकर बेहद प्रसन्न हुए।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज आपको किस्मत का पूरा-पूरा साथ मिलेगा। माता-पिता आपको कोई बड़ा गिफ्ट देंगे जिससे आप बड़े ही खुश नजर आयेंगे। लव लाइफ में ठंडापन रहेगा।

वृषभ

आपका पारिवारिक माहौल खुशनुमा रहेगा। आज आप अपने दिन का कुछ समय अपने भाई बहनों के साथ बिताएंगे, जिनसे अपने मन की कुछ बातें भी साझा करेंगे।

मिथुन

आज आपका दिन सामान्य रहेगा। इससे आपका काम आसानी से पूरा होगा। पैसों से जुड़े बड़े फैसले आपको सोच-समझकर ही लेने चाहिए।

कर्क

आज का दिन आपका अध्यात्म के कार्य में व्यतीत होगा। आज आप अपने दिन का काफी समय गरीबों की सेवा अथवा दान पुण्य के कार्य में व्यतीत करेंगे।

सिंह

आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। घर के किसी काम को पूरा करने में बड़े-बुजुर्ग की राय आपके लिए कारगर साबित होगी। सीनियर्स का सहयोग मिलता रहेगा।

कन्या

आज का दिन आपके लिए मध्यम रूप से फलदायक रहेगा। आज आप अपने जीवनसाथी के साथ कुछ समय अकेले में व्यतीत करेंगे, मैरिड लाइफ में उथल-पुथल रहेगी।

तुला

आज आपका दिन अच्छा रहेगा। इस राशि के कॉलेज के स्टूडेंट्स को नयी गतिविधियों में शामिल होने का मौका मिलेगा। आज रुके हुए सरकारी काम पूरे हो जायेंगे।

वृश्चिक

आज का दिन निश्चित रूप से फलदायक रहेगा। प्रेम जीवन जी रहे लोगों को आज अपने साथी से बातचीत करते समय अपनी वाणी में मधुरता को बनाए रखना होगा।

धनु

आज का दिन पहले की अपेक्षा अच्छा रहेगा। ऑफिस में जल्द ही कुछ नई जिम्मेदारियां मिलेंगी। आपको अपनी मनपसंद कंपनी में इंटरव्यू के लिए कॉल आयेगी।

मकर

आज यदि अपने परिवार के किसी सदस्य से कोई वाद विवाद पनपे, तो आपको उसमें अपनी वाणी की मधुरता को बनाए रखना होगा, नहीं तो वह आपके रिश्तो में दरार डाल सकती है।

कुम्भ

आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। इंजीनियर्स के लिए आज का दिन फायदेमंद रहने वाला है। मेहनत के बल पर आज आपको कार्यों में सफलता मिलेगी।

मीन

आज का दिन आपके व्यक्तित्व में निखार लेकर आएगा और आपका खुशमिजाज व्यक्तित्व होने के कारण सभी आपके मित्र बनने की चेष्टा रखेंगे।

22 दिसंबर को जारी होगा ड्राई-डे का ग्लोबल प्रीमियर

वेब सीरीज पंचायत से दर्शकों के बीच लोकप्रियता बटोरने वाले अभिनेता जितेंद्र कुमार अपनी आगामी हिंदी ओरिजिनल मूवी ड्राई डे को लेकर खूब सुर्खियां बटोर रहे हैं। फिल्म में अभिनेता के साथ श्रिया पिलगांवकर भी मुख्य भूमिका में है। अब हाल ही में प्राइम वीडियो ने 22 दिसंबर को फिल्म ड्राई डे के ग्लोबल प्रीमियर की घोषणा की है। इस घोषणा को सुन फैंस भी काफी ज्यादा उत्साहित हो गए हैं।

गौरतलब है कि पिछले दिनों वेब सीरीज पंचायत 3 से अभिनेता जितेंद्र कुमार का फर्स्ट लुक वायरल हुआ था। जितेंद्र का लुक फैंस के बीच चर्चा का विषय बन गया था क्योंकि अभिनेता को फुलेरा गांव छोड़ते दिखाया गया था। अब इसके बाद प्राइम वीडियो ने आज अपनी आगामी अमेजन ओरिजिनल फिल्म ड्राई डे के वैश्विक प्रीमियर की घोषणा की है। यह एक कॉमेडी ड्रामा फिल्म है।

सिस्टम के खिलाफ आवाज बुलंद करेंगे जितेंद्र

बता दें कि इस फिल्म में जितेंद्र कुमार ने नायक गन्नू का किरदार निभाया है, जो एक छोटा गुंडा है। गन्नू सिस्टम के खिलाफ अपनी यात्रा शुरू करता है। अपने प्रियजनों का विश्वास और प्यार हासिल करने की भावनात्मक खोज के बीच गन्नू न केवल बाहरी चुनौतियों का सामना करता है, बल्कि अपनी असुरक्षाओं और शराब की समस्या से भी जूझता है। सौरभ शुक्ला द्वारा निर्देशित और एम्मे एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित इस फिल्म में जितेंद्र कुमार, श्रिया पिलगांवकर और अन्नू कपूर प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

ग्लोबल प्रीमियर का अनाउंसमेंट

ड्राई डे का प्रीमियर 22 दिसंबर को विशेष रूप से भारत और दुनिया भर के 240 से अधिक देशों और क्षेत्रों में प्राइम वीडियो पर हिंदी के साथ-साथ तमिल, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ में डब किया जाएगा। एम्मे एंटरटेनमेंट के निर्माता निखिल आडवाणी ने कहा, ड्राई डे प्राइम वीडियो के साथ हमारे लिए हिंदी मूल फिल्मों के क्षेत्र में एक रोमांचक नई यात्रा की शुरुआत का प्रतीक है। मैं खुद को भाग्यशाली मानता हूं कि मुझे इस फिल्म को तैयार करने का अवसर मिला। प्राइम वीडियो के साथ हमारा सहयोग पिछले कुछ वर्षों में मजबूत हुआ है और मैं यह देखने के लिए उत्सुक हूं कि दर्शक इस फिल्म को कैसी प्रतिक्रिया देते हैं।

बॉलीवुड | मन की बात

'लक्ष्मण' की उपेक्षा से आहत हुए सुनील लहरी

अगले महीने अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि पर बने राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में आमंत्रितों की सूची जब से सार्वजनिक हुई है, इसे लेकर मुंबई फिल्म जगत में तमाम चर्चाएं जारी हैं। जिन लोगों को इस कार्यक्रम के आमंत्रण आए हैं, वह श्रीराम कृपा से अभिभूत हैं। कुछ लोग निमंत्रण न मिलने के बाद व्यग्र भी हैं लेकिन अपनी प्रतिक्रिया जाहिर करने से बच रहे हैं। लेकिन, रामानंद सागर के धारावाहिक 'रामायण' में लक्ष्मण की भूमिका निभाने वाले अभिनेता सुनील लहरी इसे ज्यादा चित से लगाने की आवश्यकता नहीं समझते। वह कहते हैं, 'आमंत्रण तो मुझे भी नहीं मिला। हो सकता है आयोजन समिति को रामकथा में लक्ष्मण की प्रासंगिकता समझ न आई हो लेकिन पूरे रामचरित मानस में यही एक चरित्र है जिसने वनवास का निर्देश न होते हुए भी राम के साथ वनगमन किया और अपनी पत्नी से दूर रहते हुए अपनी मां के संकल्प को पूरा किया।' 60 बरस से ऊपर के हो चुके सुनील लहरी इन दिनों भी पूरी तरह से मनोरंजन जगत में सक्रिय हैं। वह बताते हैं, 'अभी हमने सागर प्रोडक्शंस के साथ मिलकर वैष्णो देवी पर एक सीरीज का निर्माण किया है। इसे पहले फिल्म के रूप में सिनेमाघरों में प्रदर्शित करने की तैयारी है और फिर इसके बाद इसे ओटीटी पर सीरीज के रूप में रिलीज किया जाएगा। कुछ और योजनाओं पर भी काम चल रहा है जिसमें से एक योजना उन क्षेपक कथाओं के फिल्मांकन की है जो रामकथा के बीच बीच में अन्य किरदारों की पृष्ठभूमि के रूप में देश के संत महात्मा सुनाते रहते हैं।' अपनी पिछली उत्तर प्रदेश यात्रा के बारे में जिक्र चलने पर सुनील बताते हैं, 'पिछले साल मैं लखनऊ गया था। एक व्यवसायी परिवार की 17 साल की किशोरी ने लक्ष्मण और उर्मिला की प्रेम कथा पर एक सुंदर पुस्तक तैयार की थी और मुझे उसके विमोचन का आमंत्रण आया था। बात लक्ष्मण और उर्मिला की थी, इसीलिए मैं वहां गया था। आज की पीढ़ी से इस कहानी को जोड़ने के लिए इस पुस्तक का नाम भी उन्होंने 'लक्ष्मिला' रखा था।'

बिना इजाजत विदेश नहीं जा पायेंगी जरीन खान

बॉलीवुड | मसाला

जरीन खान धोखाधड़ी के एक मामले में कोलकाता की एक अदालत में पेश हुईं और उन्हें अंतरिम जमानत दे दी गई। वे मुंबई से कोलकाता आईं और सोमवार को अदालत में पेश हुईं। अंतरिम जमानत के साथ ही कोलकाता शहर की एक अदालत ने जरीन खान को यहां नारकेलडांगा पुलिस स्टेशन में दर्ज धोखाधड़ी के एक मामले में उनकी अनुमति के बिना विदेश यात्रा नहीं करने का निर्देश दिया। अब वे बिना कोर्ट की इजाजत के देश से बाहर नहीं जा सकती हैं।

जरीन खान के वकील को की दलीलों को सुनने के बाद सियालदह अदालत ने अभिनेत्री को 30,000 रुपये के निजी मुचलके पर 26 दिसंबर तक अंतरिम जमानत दे दी और कोलकाता पुलिस से पूर्व अनुमति प्राप्त किए बिना देश छोड़ने पर रोक लगा दी। कोर्ट में पेश होने के दौरान अभिनेत्री ने अपना चेहरा नीले मास्क से ढका हुआ था और काली टोपी पहनी हुई थी। आधार कार्ड से उनकी पहचान होने के बाद सुनवाई शुरू हुई थी। अभिनेत्री से जुड़ा यह मामला 2018 का है, जब उन्होंने यहां एक दुर्गा पूजा समारोह में प्रदर्शन करने के लिए कथित तौर पर लगभग 12 लाख रुपये की रकम ली थी। हालांकि, वे नहीं आईं, जिसके बाद आयोजकों ने उनके और उसके प्रबंधक के खिलाफ नारकेलडांगा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने उनके खिलाफ आरोप पत्र दायर किया था। जरीन खान के खिलाफ पहले भी गिरफ्तारी का वारंट जारी किया गया था, लेकिन वे कोर्ट में पेश नहीं हुई थीं। इसके बाद अदालत ने उन्हें बिना किसी असफलता के मजिस्ट्रेट के सामने उपस्थित होने का आदेश दिया।

ये है देश का वीवीआईपी पेड़, देखभाल में हर साल खर्च होते हैं लाखों रुपये

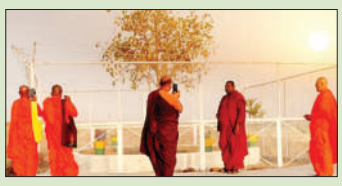

भोपाल। गौतम बुद्ध के स्तूपों के लिए दुनियाभर में मशहूर सांची में एक वीवीआईपी पेड़ की देखभाल पर सरकार ने 11 साल में 70 लाख रुपए से ज्यादा खर्च कर दिए हैं। इस पेड़ के आसपास दिन-रात पुलिस पहरा देती है। जरा सी बीमारी लग जाए तो कीटनाशकों और दवाईयों का छिड़काव होता है। रायसेन जिले में स्थित सांची के बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन यूनिवर्सिटी के परिसर में यह पेड़ लगा है। यूनिवर्सिटी की स्थापना के वक्त 21 सितंबर, 2012 को श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति महिंद्रा राजपक्षे ने इसे रोपा था। यह पेड़ बोधि वृक्ष का है। करीब 2500 साल पहले बिहार के गया में इसी तरह के पेड़ के नीचे गौतम बुद्ध को ज्ञान प्राप्त हुआ था। इसलिए उनकी याद में यह पेड़ लगाया गया है। चूंकि पेड़ का इतिहास बुद्ध से जुड़ा हुआ है, इसलिए इसकी सुरक्षा के लिए चारों तरफ 15 फीट की फेंसिंग लगाई गई है। सांची नगर परिषद, पुलिस, राजस्व और उद्यानिकी विभाग लगातार इसकी निगरानी रखते हैं। होमगार्ड के सिपाही दिन रात इसका पहरा देते हैं। पहले यहां पुलिस की एक-चार की गार्ड तैनात थी। उद्यानिकी विभाग के असिस्टेंट डायरेक्टर रमाशंकर शर्मा बताते हैं कि राजस्व अधिकारियों की टीम इसका निरीक्षण करती रहती है। छह महीने पहले पेड़ पर जाला की बीमारी लग गई थी। तब इस पर कीटनाशक का छिड़काव किया गया था। कई श्रद्धालु यहां सिर्फ इस वृक्ष के दर्शन करने की आते हैं। खासकर बुद्ध के अनुयायी। यूनवर्सिटी प्रबंधन ने बताया कि नए परिसर में पर्यटकों को बहुत जल्द बोधि वृक्ष के आसपास नक्षत्र वाटिका और नवग्रह गार्डन भी देखने को मिलेंगे। इसके लिए यूनिवर्सिटी प्रबंधन ने प्लान तैयार कर लिया है। भोपाल से करीब 40 किमी दूर रायसेन जिले में सांची शहर स्थित है। स्तूपों के लिए प्रसिद्ध सांची में कई बौद्ध स्मारक मौजूद हैं। यहां ईसा पूर्व तीसरी सदी से बारहवीं सदी के दौरान स्तूप, मठ, मंदिर और स्तंभ बने। पहाड़ी पर मुख्य स्तूप का निर्माण मौर्य शासक अशोक महान ने करवाया था। यूनेस्को ने इसे विश्व धरोहर में शामिल किया है।

अजब-गजब | दुनिया का सबसे जहरीला जानवर

इस जानवर के जहर का नहीं है कोई तोड़, काट ले तो मिनटों में हो जाती है इंसान की मौत!

ब्लू-रिंग्ड ऑक्टोपस दुनिया के सबसे जहरीले जानवरों में से एक है, जिसके जहर का अब तक कोई तोड़ (एंटीवेनम) नहीं है। अगर ये जानवर काट जाए तो मिनटों में इंसानों की मौत हो सकती है। 2दृइद्गस की रिपोर्ट के अनुसार, इसका जहर इतना पावरफुल है कि एक मिलीग्राम से इंसान की मौत हो सकती है। इसके शरीर पर नीले छल्ले होते हैं, जो संभावित खतरे की स्थिति में इंद्रधनुषी नीले रंग में चमकते हैं। अब इसी ऑक्टोपस का एक वीडियो वायरल हो रहा है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पहले ट्विटर) पर ये वीडियो @RafaelRiobuenoR नाम के यूजर ने शेयर किया है, जिसके कैप्शन में बताया गया है कि, 'अपने छोटे आकार के बावजूद, ब्लू-रिंग्ड ऑक्टोपस को दुनिया में सबसे जहरीले जानवरों में से एक माना जाता है।' इस वीडियो में आप देख सकते हैं कि ब्लू-रिंग्ड ऑक्टोपस कैसा दिखता है और कैसे चलता है।

लाइव साइंस की रिपोर्ट के अनुसार, ये ऑक्टोपस आकार में छोटे होते हैं जिनमें टेट्रोडोटॉक्सिन के शक्तिशाली न्यूरोटॉक्सिन पाया है। इसकी छोटी डोज से ही मिनटों के भीतर इंसान अपंग हो सकता है यहां तक कि उसकी मौत भी हो सकती है। टेट्रोडोटॉक्सिन, जो कुछ न्यूट्स, मेंढकों और पफ़र फिश में भी पाया जाता है, बहुत ही खतरनाक जहर होता है।

टेट्रोडोटॉक्सिन पीड़ित इंसान के शरीर में तेजी के साथ फैलता है, जिसके असर मांसपेशियां कमजोर और पंगु होती जाती हैं। इसके बाद पीड़ित सांस लेना बंद कर देता और फिर उसकी मौत हो जाती है। सेंटर्स ऑर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (ष्टष्ठष्ट) के अनुसार, टेट्रोडोटॉक्सिन तेजी से काम करना शुरू कर सकता है। शरीर में इसके प्रवेश के 20 मिनट से 24 घंटे के बीच कहीं भी लोगों की मृत्यु हो सकती है। इस जहर का अभी तक कोई एंटीडोट नहीं बना है। ब्लू-रिंग्ड ऑक्टोपस के काटने से केवल तीन मौतों की पुष्टि हुई है, जिनमें से दो ऑस्ट्रेलिया और एक सिंगापुर में दर्ज की गई है। हालांकि, कुछ लोगों का तर्क है कि इसके काटे जाने से मरने वालों की संख्या 11 तक हो सकती है। अत्यधिक जहरीला होने के कारण इस जीव से इंसानों को देखते ही दूरी बना लेनी चाहिए।

इतिहास को दोबारा लिखना चाहते हैं शाह : राहुल

» जवाहरलाल नेहरू ने देश के लिए खपायी जिंदगी

» कहा, बीजेपी को कोई जानकारी नहीं, पूर्व पीएम का ऐतिहासिक व्यक्तित्व

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरु पर भाजपा द्वारा समय-समय पर किए जा रहे हमले के जवाब में कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी पलटवार किया है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और सांसद राहुल गांधी ने देश के पूर्व पीएम जवाहर लाल नेहरू की तारीफ की। उन्होंने अमित शाह के बयान पर हमला करते हुए कहा कि वह इतिहास से अनजान हैं। पंडित नेहरू ने भारत के लिए अपनी पूरी जिंदगी दी है। कांग्रेस सांसद राहुल

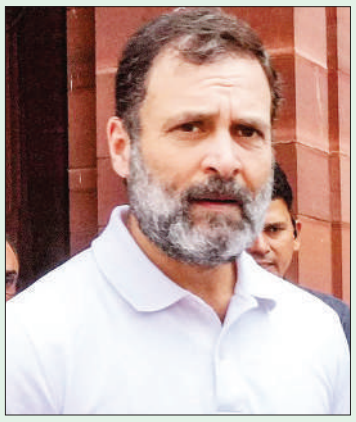

गांधी ने कहा, पंडित जवाहर लाल नेहरू ने भारत के लिए अपनी जिंदगी दे दी, सालों जेल में रहें। गृह मंत्री अमित शाह को शायद इतिहास नहीं मालूम। ये बात केवल भ्रमित करने के लिए की गई है। मैं उनसे इतिहास जानने की उम्मीद नहीं कर सकता, उन्हें इसे दोबारा लिखने की आदत है।

इसके साथ ही राहुल गांधी ने जातीय जनगणना पर भी बात की। उन्होंने कहा कि मूल मुद्दा जातीय जनगणना, भागीदारी और देश का धन किसके हाथों में जा रहा है, ये है। इस मुद्दे पर वह चर्चा नहीं करना चाहते हैं। ज्ञात हो कि जम्मू-कश्मीर के मुद्दे पर संसद में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पूर्व प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू पर निशाना साधा था। दरअसल, संसद में जम्मू-कश्मीर आरक्षण (संशोधन) विधेयक 2023 और जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक 2023 को लोकसभा और राज्यसभा दोनों में पेश किए जाने के बाद इस पर चर्चा हुई। इस दौरान अमित शाह ने जम्मू-कश्मीर की समस्या के लिए पूर्व प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू जिम्मेवार ठहराया। उन्होंने कहा, हमारी सेना जीत रही थी और दुश्मन देश की सेना पीछे हट रही थी। उस वक्त अगर नेहरू जी दो दिन और रुक जाते और सीजफायर नहीं करते तो पूरा कश्मीर आज हमारा होता। देश में 550 रियासतों का विलय हुआ कहीं भी धारा 370 नहीं लगी। जम्मू-कश्मीर जवाहर लाल नेहरू देख रहे थे तो वहीं क्यों लगी? तीन परिवारों ने अपने फायदे के लिए जम्मू-कश्मीर के एसटी समुदाय को उनके अधिकारों से वंचित रखा।

जवाहर लाल नेहरू ने की थीं गलतियां : शाह

शाह आगे कहा, सभी जानते हैं कि कश्मीर के विलय में देरी इसलिए हुई क्योंकि शेख अब्दुल्ला को विशेष स्थान देने का आग्रह था। देरी की वजह से पाकिस्तान को आक्रमण करने का मौका मिला। जवाहर लाल नेहरू ने सिर्फ एक जम्मू-कश्मीर का काम देखा और वो भी आधा छोड़कर चले आए थे,कश्मीर का मामला यूएन में लेकर चले गए, लेकर ही नहीं जाना था, अगर लेकर भी चले गए तो अनुच्छेद 51 के तहत क्यों लेकर गए, देश की जनता अब समझ चुकी है कि कश्मीर के सवाल के मूल में जवाहर लाल नेहरू जी की गलतियां थीं।

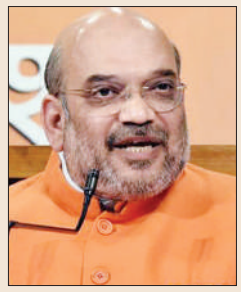

संक्षिप्त खबरें

अब पीओके के आखिरी कांटे को भी निकाले सरकार : हरीश रावत

देहरादून। जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 पर आए सुप्रीम कोर्ट के फैसले का उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने स्वागत किया है। कहा, सुप्रीम कोर्ट ने इस देश के एक और कटु प्रसंग का सर्व स्वीकार्य समाधान निकाला है, इसके लिए कोर्ट को धन्यवाद दिया जाना चाहिए।कहा, अब केंद्र सरकार को पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) का भी हल निकाल देना चाहिए, इस काम के लिए पूरा देश साथ है। अक्सर अपने बयानों को लेकर चर्चा में रहने वाले पूर्व मुख्यमंत्री रावत ने कहा, अनुच्छेद 370 लागू करना कोई भूल नहीं थी, बल्कि जिस वक्त यह लागू किया गया, उस वक्त की ऐतिहासिक जरूरत थी। कहा, पाकिस्तान के आक्रामक रवैये और कुछ वैश्विक शक्तियों के षड्यंत्र का मुकाबला करने के लिए कश्मीर की जनता को विश्वास में लेने के लिए अनुच्छेद 370 लागू किया गया था। समय के साथ हर सरकार ने अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को हल्का किया। अब सुप्रीम कोर्ट ने एक सर्व स्वीकार्य समाधान निकाल दिया। हमारा मानना है कि अब जब अनुच्छेद 370 का प्रसंग अंतिम रूप से समाप्त हो गया है। तब, पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) के अंतिम कांटे को भी उखाड़ फेंकना चाहिए। इसके लिए संसद का संकल्प भी है। पीओके भारत का अभिन्न हिस्सा है। आज का पाकिस्तान आर्थिक रूप से विपन्न, टूटा और बंटा हुआ पाकिस्तान है। पीओके में भी असंतोष है। इस कांटे को भी सरकार निकाल बाहर करे।

धीरज साहू मामले में बीजेपी न बोले : इरफान

रांची। कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य धीरज प्रसाद साहू के ठिकानों से भारी नकदी बरामदगी राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बना हुआ है। कांग्रेस आलाकमान ने स्पष्ट संदेश दे दिया है कि धीरज प्रसाद साहू को नकदी के स्रोत का पूरा विवरण देना चाहिए। कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व पर सवाल उठने के बाद उनके एक्स अकाउंट से पुरानी पोस्ट भी हटाई जा रही है। सांसद धीरज साहू कांग्रेसी सांसद है कांग्रेस के नेता है, कांग्रेस के सभी नेताओं को उनके साथ खड़ा होना चाहिए, व्यवसाय उनका पुराना पेशा है, इनकम टैक्स को बताना चाहिए क्या सच है क्या गलत है ना कि भाजपा नेताओं को। कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य धीरज प्रसाद साहू के पक्ष में जामताड़ा के पार्टी विधायक डा. इरफान अंसारी सामने आए। उन्होंने कहा कि इनकम टैक्स के छापेमारी पर भाजपा के नेता क्यों बोल रहे हैं? इनकम टैक्स के अधिकारियों को इसके बारे में बताना चाहिए ना कि भाजपा के नेताओं को। राज्यसभा सदस्य धीरज प्रसाद साहू कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हैं। कांग्रेस के सभी नेताओं को उनके साथ खड़ा होना चाहिए। वे पुराने व्यवसायी हैं। उनकी छवि खराब करने की कोशिश की जा रही है।

अभिव्यक्ति की आजादी एक हद तक : कोर्ट

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने एक मामले में सुनवाई के दौरान कहा कि बोलने और अभिव्यक्ति की आजादी को तर्कसंगत सीमा लांघने की अनुमति नहीं दी जा सकती अन्यथा इसके परिणाम विनाशकारी हो सकते हैं। न्यायमूर्ति मिलिंद जाधव की एकल पीठ ने मंगलवार को ऑटोमोबाइल कलपुर्जा निर्माण कंपनी 'हितायी एस्टेमो फी' के एक कर्मचारी की सेवा समाप्ति की व्यवस्था बरकरार रखते हुए यह बात कही। दरअसल, कर्मचारी ने कंपनी के खिलाफ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'फेसबुक' पर दो भड़काऊ पोस्ट किए थे, जिसके बाद उसे नौकरी से निकाल दिया गया था। इसके बाद कर्मचारी ने श्रम अदालत का रुख किया था, जहां से बर्खास्तगी को रद्द करने का आदेश दिया गया था। इसी आदेश को कंपनी ने बॉम्बे हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। न्यायमूर्ति जाधव ने आदेश में कहा कि ये पोस्ट नफरत भड़काने के स्पष्ट इरादे से कंपनी के खिलाफ किए गए थे और ये लोगों को उकसाने वाले थे। ऐसे कारनामों के खिलाफ एक कड़ा संदेश दिए जाने की जरूरत है।

बीजेपी की जनविरोधी नीतियों को करेंगे उजागर: राय

» 15 दिसम्बर से 'परिवर्तन संकल्प यात्रा' होगी प्रारम्भ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पूर्व मंत्री अजय राय ने कहा है कि 15 दिसम्बर से हम पूरे प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की जनविरोधी नीतियों से अवगत कराएंगे। उन्होंने प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर 15 दिसम्बर 2023 से प्रारम्भ होने वाली ''परिवर्तन संकल्प यात्रा'' की तैयारियों को लेकर पूर्व सांसदों एवं विधायकों की एक महत्वपूर्ण बैठक की। चर्चा करते हुए कहा कि हम इस यात्रा के माध्यम से जिलों में गांव-गांव पांव-पांव एवं शहरों में नगर-नगर डगर-डगर चलकर प्रदेश की जनता तक पहुंचकर केन्द्र एवं प्रदेश की सत्ता में काबिज भारतीय जनता पार्टी की जनविरोधी नीतियों से अवगत करायेंगे।

इस यात्रा में जनपद के पदाधिकारियों के साथ साथ वरिष्ठ कांग्रेस जन भी शामिल होंगे। प्रदेश

कांग्रेस अध्यक्ष ने अभी हाल में हुए पांच राज्यों के चुनाव नतीजों पर बात करते हुए कहा कि जनता लोकतंत्र की मालिक है। हम अपने संगठन को और भी अधिक मजबूत बनाने के लिए मेहनत करेंगे साथ जहां कहीं भी हमसे चूक हुई है उसकी जानकारी कर उसे सुधारने का प्रयास कर जनता की बीच जाकर अपनी बात रखेंगे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पूर्व मंत्री अजय राय की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता डॉ. उमा शंकर पाण्डेय ने जानकारी देते हुए बताया कि उपस्थित पूर्व सांसदों एवं विधायकों ने एक-एक कर यात्रा को लेकर अपने सुझाव प्रस्तुत किये।

फोटो : 4 पीएम

पोस्टर वार समाजवादी पार्टी कार्यालय के बाहर लगा ईवीएम हटाओ के पोस्टर, पोस्टर में बैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग की।

बीजेपी का दांव बिहार में नहीं चलेगा : राजद

यादवों के सर्वमान्य नेता लालू : शक्ति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। पटना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र की भारतीय जनता पार्टी सरकार के खिलाफ बने इंडी एलायंस को दरकिनार कर जब कांग्रेस ने मध्य प्रदेश में पटखनी खायी तो लालू यादव की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल पर उतना असर नहीं था। लेकिन, जैसे ही भाजपा ने यादव जाति से मुख्यमंत्री के रूप में डॉ. मोहन यादव पर दांव खेला तो राजद की परेशानी साफ झलक गई।

भाजपा के यादव दांव को राजद वाले बेकार भी बता रहे हैं, लेकिन दूसरी तरफ इसपर प्रतिक्रिया भी दे रहे हैं। राजद के मुख्य प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव ने कहा कि यादवों के सर्वमान्य नेता लालू प्रसाद यादव ही हैं। भाजपा के दांव से बिहार पर कोई असर नहीं होगा। पटना में राजद प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि जाति आधारित गणना और आरक्षण के दायरा बढ़ाने से भाजपा घबराहट में है।

रिंकू व सूर्य कुमार पर भारी पड़े रीजा हेंड्रिक्स

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। वर्षा से बाधित टी-20 मैच में दक्षिण अफ्रीका ने भारत को हरा दिया। दक्षिण अफ्रीका को डकवर्थ लुईस पद्धति जीत के लिए 15 ओवर में 152 रन का लक्ष्य मिला था। टीम ने 13.5 ओवर में पांच विकेट पर 154 रन बनाकर जीत दर्ज की। दक्षिण अफ्रीका के लिए सलामी बल्लेबाज रीजा हेंड्रिक्स 27 गेंद में 49 रन का योगदान दिया। भारत के लिए मुकेश कुमार ने दो विकेट लिये।

दक्षिण अफ्रीका ने बारिश से प्रभावित दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय में भारत को पांच विकेट से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त बना ली। भारत ने बारिश से पारी में खलल डालने से पहले 19.3 ओवर में सात विकेट पर 180 रन बनाया

» टी-20 मैच में दक्षिण अफ्रीका ने भारत को हराया

टीम इंडिया की सलामी जोड़ी फेल

इस मुकाबले में भारत के दोनों सलामी बल्लेबाज खाता खोले बिना पवेलियन लौट गए। मैच की तीसरी ही गेंद पर यशस्वी जायसवाल को मार्को यान्सिन ने पवेलियन भेज दिया और अगले ही ओवर में विलियम्स ने शुभमन गिल का विकेट चटका दिया। इस खराब शुरुआत के कारण भारतीय टीम इस मैदान पर वह स्कोर नहीं खड़ा कर पाई, जो उसे करना चाहिए था।

जिसे प्रोटियाज बल्लेबाजों ने 7 गेंद बाकी रहते ही हासिल कर लिया। इस मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका निश्चित तौर पर हर विभाग में टीम इंडिया से बेहतर रही लेकिन इस जीत में उसे अन्य फैक्टर्स का भी अच्छा साथ मिला।

मैच की पहली पारी में जब टीम इंडिया बल्लेबाजी कर रही थी, तब पिच थोड़ी धीमी नजर आई। ऐसे में दक्षिण अफ्रीकी स्पिनर्स को अच्छी मदद मिली। यही कारण रहा कि तबरेज शम्सी ने यहां चार ओवर में महज 18 रन ही दिए और एक विकेट भी चटकाया। एडन मारक्रम को भी यहां विकेट मिला। जीत के बाद दक्षिण अफ्रीका के कप्तान एडम मारक्रम ने खुद कहा कि शुरुआत में पिच धीमी थी, जो उनके लिए फायदेमंद साबित हुई।

दक्षिण अफ्रीका की बल्लेबाजी से पहले मैच में काफी बारिश हुई। इस कारण आउटफील्ड गीली थी। ऐसे में दूसरी पारी में गेंद भी गीली रही। इस कारण भारतीय गेंदबाजों की गेंदें स्कीड होने लगी। भारतीय गेंदबाज बेअसर दिखे और दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाजों ने उनकी खूब धुनाई की।

चुनाव आयोग का मजाक बना रही सरकार: सुरजेवाला

आयोग की नियुक्तियों से जुड़ा विधेयक पेश करने पर विपक्ष का हंगामा, भाजपा पर चौतरफा हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। विपक्षी दलों का आरोप है कि चुनाव आयोग में नियुक्तियों से जुड़ा विधेयक पेश कर सरकार लोकतंत्र का मजाक बना रही है। सुप्रीमकोर्ट के आदेश का जिक्र करते हुए विपक्षी दलों ने तर्क दिया कि राज्यसभा में पेश किया गया विधेयक सर्वोच्च न्यायालय के उस निर्देश के खिलाफ है, जिसमें प्रधानमंत्री, चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सीजेआई) और संसद में नेता प्रतिपक्ष (एलओपी) का पैनल बनाने की बात कही गई।

बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने इसी साल पारित एक अहम आदेश में मुख्य चुनाव आयुक्त और राज्य में आयोग के अधिकारियों की नियुक्ति के दौरान तीन सदस्यीय पैनल बनाने का निर्देश दिया था।

संसद में शीतकालीन सत्र के दूसरे हफ्ते में पेश किया गए इस विधेयक को विपक्षी पार्टियों ने चुनाव आयोग के कामकाज में हस्तक्षेप भी बताया। विपक्षी दलों का कहना है कि इससे आयोग की स्वायत्तता से समझौता होगा। सरकार की नीयत पर सवाल खड़े करते हुए विपक्षी दलों ने कहा, इस विधेयक को कानूनी अमलीजामा पहनाने पर देश के सर्वोच्च चुनाव अधिकारियों के रूप में ऐसे लोगों की नियुक्तियां होंगी जो जी-हुजूरी करते हैं। ऐसा होने पर आयोग की स्वतंत्रता कुचल दी जाएगी। दरअसल, सरकार की तरफ से पेश नए विधेयक में प्रस्ताव किया गया है कि चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के लिए बनाए जाने वाले चयन पैनल में चीफ जस्टिस (सीजेआई) की जगह कैबिनेट मंत्री को शामिल किया जाए। विधेयक पर चर्चा की शुरुआत करते हुए, कांग्रेस नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा, इस कानून के अस्तित्व में आने के बाद चुनाव आयोग की स्वतंत्रता और निष्पक्षता खत्म हो जाएगी। उन्होंने सरकार की मंशा पर सवाल उठाते हुए विधेयक के कानून बनने के बाद सामने आने वाले विनाशकारी नतीजों के प्रति आगाह भी किया। उन्होंने कहा, संविधान निर्माता चाहते थे कि भारत की चुनाव प्रक्रिया निष्पक्ष, स्वतंत्र और सरकारी हस्तक्षेप के बिना हो। संसद लोकतंत्र का स्रोत है। इसे लोकतंत्र के सिद्धांतों का पालन करना चाहिए।

विपक्ष के साथ चुनाव आयोग को भी खत्म करने की साजिश : टैगोर

लोकसभा में कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने बुधवार को विधेयक पारित कराने पर बयान दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे विधेयकों का पारित होना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। मणिकम टैगोर ने विपक्षी दलों के गठबंधन- के साथ-साथ कांग्रेस पार्टी की तरफ से कड़ा विरोध करने की बात कही। उन्होंने कहा कि विपक्षी दल लोकसभा में भी इस विधेयक का पुरजोर विरोध करेंगे। उन्होंने कहा, हम इस बात को लेकर बहुत स्पष्ट विचार रखते हैं कि चुनाव आयोग की स्वतंत्रता बरकरार रहनी चाहिए। उन्होंने कहा कि ष्स्पष्ट से जुड़ा विधेयक भारत में लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं की दृष्टि से बहुत परेशान करने वाला है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार चुनाव आयोग पर हमले कर रही है।

आप व द्रमुक ने भी साधा निशाना

आम आदमी पार्टी के सांसद राघव चड्ढा ने कहा, चुनाव आयुक्त की नियुक्ति के लिए प्रस्तावित नई चयन समिति में नियंत्रण और संतुलन का ध्यान नहीं रखा गया है। सरकार ने इसका पूरा नियंत्रण अपने हाथों में ले लिया है। चीफ जस्टिस की जगह कैबिनेट मंत्री को नियुक्त करने से चयन समिति में सरकार के पास दो वोट होंगे। पैनल के पास 2-1 के बहुमत से सभी फैसले लेने का अधिकार होगा। अब जी-हुजूरी करने या पार्टी के किसी आदमी को भी चुनाव आयुक्त बनाया जा सकता है। आप की तरफ से बिल का विरोध करते हुए राघव ने विधेयक को लोकतंत्र का मखौल करार दिया। तमिलनाडु में सत्तारूढ़ पार्टी- द्रमुक के सांसद टी शिवा ने भी विधेयक का विरोध किया। उन्होंने इसे अलोकतांत्रिक, अनुचित और अस्वीकार्य बताया। पश्चिम बंगाल की सत्ताधारी पार्टी- तृणमूल कांग्रेस के सांसद सुखेंदु शेखर रे ने कहा, विधेयक में कई अनुचित प्रावधान हैं। यह बिल सरकारी मनमानी का प्रमाण है।

आयोग की कार्यप्रणाली पर कोई असर नहीं

चर्चा के जवाब में सरकार ने विपक्ष के तमाम आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया। सरकार ने कहा, चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली निष्पक्ष और पारदर्शी बनी रहेगी। कानून मंत्रालय के अनुसार, मौजूदा विधेयक इसलिए लाया गया है क्योंकि 32 साल पहले, 1991 में बनाए गए कानून में एक बड़ी खामी थी। सरकार की दलील है कि पुराने कानून में शीर्ष चुनाव अधिकारियों की नियुक्ति को विनियमित करने के प्रावधान नहीं थे।

संक्षिप्त खबरें

महादेव सट्टेबाजी ऐप का मालिक हिरासत में

नई दिल्ली। महादेव ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप मामले के आरोपियों में से एक और प्लेटफॉर्म के मालिक रवि उप्पल को स्थानीय अधिकारियों ने दुबई, संयुक्त अरब अमीरात में हिरासत में लिया है। इंटरपोल के माध्यम से प्रवर्तन निदेशालय द्वारा जारी रेड कॉर्नर नोटिस के आधार पर उन्हें हिरासत में लिया गया था। महादेव ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप मामले के आरोपियों में से एक और प्लेटफॉर्म के मालिक रवि उप्पल को स्थानीय अधिकारियों ने दुबई, संयुक्त अरब अमीरात में हिरासत में लिया है। इंटरपोल के माध्यम से प्रवर्तन निदेशालय द्वारा जारी रेड कॉर्नर नोटिस के आधार पर उन्हें हिरासत में लिया गया था। मनी लॉन्ड्रिंग रोधी एजेंसी ने कहा कि अधिकारी पिछले हफ्ते हिरासत में लिए गए उप्पल को भारत भेजने के लिए अरब देश के अधिकारियों के संपर्क में हैं। उप्पल और इंटरनेट आधारित सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म के एक अन्य प्रमोटर, सौरभ चंद्राकर, अक्टूबर में छत्तीसगढ़ के रायपुर में एक विशेष धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) अदालत के समक्ष एक मामले के आधार पर केंद्रीय जांच एजेंसी द्वारा मनी लॉन्ड्रिंग जांच के दायरे में हैं। मुंबई पुलिस भी उप्पल के खिलाफ मामलों की जांच कर रही है।

नक्सलियों के आईईडी ब्लास्ट में एक जवान शहीद, एक घायल

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ में सीएम के शपथ ग्रहण से ठीक पहले नक्सलियों ने नारायणपुर जिले में आईईडी ब्लास्ट किया है। आईईडी की चपेट में आने से एक जवान शहीद हो गया जबकि एक जवान घायल है। घायल जवान को अस्पताल में भर्ती करा दिया गया है। बताया जा रहा है कि आमदई खदान के पास सीएएफ के जवान सर्चिंग पर निकले थे, उसी दौरान आईईडी ब्लास्ट हुआ। मामला छोटेडोंगर थाना क्षेत्र का है। माइंस में जगह-जगह नक्सलियों ने आइईडी लगाने की चेतावनी दी थी।

योगी सरकार ने 167 पुलिस उपाधीक्षकों के किए तबादले

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में एक बार फिर बड़े पैमाने पर प्रशासनिक फेरबदल हुआ। बुधवार को योगी सरकार ने पुलिस उपाधीक्षकों के तबादले कर दिए। जारी हुई तबादला सूची में 167 पुलिस उपाधीक्षकों के नाम हैं। बीते दिन यानी मंगलवार शाम को योगी सरकार ने 3 आईएएस अधिकारियों के तबादले किए। अभिषेक कुमार ज्वाइंट मैजिस्ट्रेट जालौन को CDO हापुड़ बनाया गया। अजय कुमार गौतम ज्वाइंट मैजिस्ट्रेट कानपुर को CDO इटावा बनाया गया। वहीं पुलकित खरे ACEO ग्रेटर नोएडा को प्रतीक्षारत किया गया। गौरतलब है कि योगी सरकार ने शनिवार को 42 अपर पुलिस अधीक्षकों के कार्यक्षेत्र में बदलाव किए थे। यूपी पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी तबादला आदेश में लखनऊ, आगरा, मथुरा, सीतापुर, वाराणसी आदि जिलों में तैनात एडिशनल एसपी को इधर से उधर किया गया था। लखनऊ के दो एडिशनल एसपी का भी तबादला लिस्ट में नाम शामिल था।

राम मंदिर दर्शन अभियान शुरू करेगा संघ

अयोध्या। गणतंत्र दिवस से पूरे देश को रामलला के दर्शन का आमंत्रण श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से दिया जा रहा है। इसके लिए विश्व हिंदू परिषद देश के पांच लाख गांवों में घर-घर हल्दी लगा अक्षत भेज रहा है। यह अक्षत गणतंत्र दिवस के बाद अयोध्या आने का आमंत्रण है। संघ हर रोज पांच हजार कार्यकर्ताओं को दर्शन कराने की तैयारी कर रहा है। यह दर्शन अभियान 26 जनवरी से शुरू होकर 23 फरवरी तक चलेगा। एक दिन में दो राज्यों को दर्शन कराया जाएगा। हल्दी अक्षत के साथ एक निवेदन पत्रक भी भेजा जा रहा है। यह पत्रक देश के सभी प्रमुख भाषाओं में छापा गया है, ताकि पत्रक का संदेश रामभक्त आसानी से समझ सकें। विश्व हिंदू परिषद ने संगठन की दृष्टि से देश को 45 प्रांतों में बांट रखा है। हर राज्य में दो से तीन इकाइयां हैं। उत्तर प्रदेश में छह इकाइयां हैं। संघ सभी इकाइयों को अयोध्या दर्शन के लिए आमंत्रित करेगा।

धनखड़ व प्रियंका चतुर्वेदी में मीठी बहस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत में संसदीय कार्यवाही हमेशा सुर्खियों में रहती है। वैसे तो लोकसभा और राज्यसभा में पक्ष-विपक्ष के बीच राजनीतिक तकरार होती ही रहती है लेकिन कभी-कभार संसद में ऐसे भी पल आते हैं जब दोनों पक्षों के बीच मजाकिया माहौल बन जाता है। संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान मंगलवार (12 दिसंबर) को उच्च सदन राज्यसभा में ऐसा ही एक मौका आया जब शिवसेना (यूबीटी) की सांसद प्रियंका चतुर्वेदी के साथ राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ मजाकिया अंदाज में नजर आए।

चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से संबंधित विधेयक पर चर्चा के दौरान यह नजारा देखने को मिला। राज्यसभा में जब मुख्य निर्वाचन आयुक्त और अन्य निर्वाचन आयुक्त (नियुक्ति, सेवा शर्तें और पदावधि) विधेयक 2023 पर चर्चा चल रही थी। प्रियंका चतुर्वेदी को बोलने के लिए 2 मिनट का वक्त दिया गया। जब वह बोलने के लिए खड़ी हुईं तो मुस्कुराते हुए कहा,कि सभापति जी मैं इतनी लंबी स्पीच बनाकर आती हूं और केवल 2 मिनट में सबकुछ बर्बाद हो जाता है सर।

फर्जी मामले लगा रही ईडी: कार्ति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। कांग्रेस के नेता एवं सांसद कार्ति चिदंबरम 2011 में 263 चीनी नागरिकों को वीजा जारी करने में कथित अनियमितताओं से जुड़े धनशोधन मामले की जांच में पूछताछ के लिए प्रवर्तन निदेशालय के समक्ष पेश नहीं हुए और उन्होंने इस मामले को ''सबसे फर्जी'' करार दिया।तमिलनाडु की शिवगंगा लोकसभा सीट से 52 वर्षीय सांसद को केंद्रीय एजेंसी ने इस सप्ताह यहां अपने कार्यालय में उपस्थित होने को कहा था। उन्हें धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत जांच के सिलसिले में अपने बयान दर्ज कराने थे।

» जांच एजेंसी के समक्ष पेश नहीं हुए कांग्रेस नेता

माना जा रहा है कि सांसद ने प्रवर्तन निदेशालय को सूचित किया है कि वह संसद का सत्र चलने के कारण व्यस्त हैं। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीई) की प्राथमिकी के अनुसार, वेदांत समूह की कंपनी तलवंडी साबो पावर लिमिटेड (टीएसपीएल) के एक शीर्ष अधिकारी ने कार्ति और उनके करीबी सहयोगी एस भास्कररमन को रिश्वत के रूप में 50 लाख रुपये दिए थे। प्रवर्तन निदेशालय का 2022 का यह मामला इन्हीं आरोपों से जुड़ा है। कार्ति ने कहा कि यह ''सबसे फर्जी'' मामला है और उनके कानूनी सलाहकारों का दल इस संबंध में आगे कदम उठाएगा। उन्होंने कहा, ''मुझ पर थोपे गए मामलों की तीन श्रेणियां हैं-फर्जी, अधिक फर्जी और सबसे फर्जी। यह तीसरी श्रेणी है। इससे मेरे वकील निपटेंगे।'' सीबीआई ने पिछले साल चिदंबरम परिवार के परिसरों पर छापा मारा था और भास्कररमन को गिरफ्तार किया था, जबकि कार्ति से पूछताछ की गई थी।

मंदिर परिसर में फैला सीवर का पानी

» श्रद्धालु नहीं कर पा रहे पूजा अधिकारी व सभासद मौन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पूरे प्रदेश में योगी सरकार मंदिरों का कायाकल्प करने में जुटी है पर राजधानी लखनऊ का एक पुराना मंदिर सीवर के गंदे पानी से डूबा हुआ है। जिम्मेदार लोगों के कान पर जूं तक नहीं रेंक रही। आलम यह है कि अधिकारी एक दूसरे पर आरोप लगाकर कन्नी काट रहे हैं। वहीं क्षेत्रीय पार्षद एवं निगम निगम सुएज इंडिया प्राइवेट कंपनी की बड़ी लापरवाही से श्रद्धालु व क्षेत्रीय जनता परेशान हो रही है। दरअसल, चौपटिया चौराहे पर स्थित माँ सन्दोहन देवी मंदिर के पास कई दिनों से गन्दगी का अंबार लगा है पर उठाने की सुध किसी को नहीं है।

लोगों का कहना है कि पहले मंदिर आने जाने के रास्ते का नाला कई दिनों से साफ नहीं किया गया जिससे वह चोक हो गया बाद में सीवर भी फंसने लगा। अब आलम यह है कि परे मंदिर परिसर में पानी भरने लगा है। इस समस्या की वजह से श्रद्धालुओं को पूजा करनेमें परेशानी हो रही है।

कई बार की गई शिकायत

लोगों ने इसकी शिकायत कई बार की पर सुनवाई नहीं हुई। इतनी शिकायत के बाद भी आचार्य नरेंद्रदेव वार्ड व कल्बे आबिद वार्ड के पार्षद एवं नगर निगम की आंखे नहीं खुल रही हैं।

"जोन छह के जलकल के एक्सईएन अनिल कुमार ने बताया कि सुएज कंपनी व नगरनिगम की टीम को मौके पर भेज दिया है। जल्द ही वहां की व्यवस्था दुरुस्त कर दी जाएगी।

लोग बाहर से ही अपने अराध्य को नमन कर ले रहे हैं। सफाई न होने से सीवर पूरी तरह चोक हो गयी और सड़क पर गंदा पानी फैल रहा। साथ ही चौराहे पर ड्यूटी देने वाले पुलिस कर्मियों के बैठने का स्थान भी नली के गंदे पानी मे डूबा हुआ है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।